- धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट
- 6

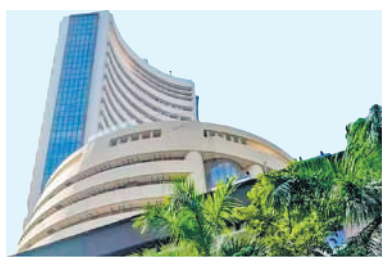

- सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद
- 6

- भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता
-7

- सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत
- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 297, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई

वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना

अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण

मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'

अजय दयाल, अयोध्या

यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धातों का उद्घोष करेगा। - प्रधानमंत्री मोदी

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुईं थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष में डूब गया।

ध्वज रघुकुल परंपरा और धर्म का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ये यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहुति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव विधि/विधि परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं। अदालत ने मामले को पहले दिए गए आदेश के तहत 26 नवंबर को सुनवाई के लिए पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में इसी वर्ष स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज कराई गई जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामे में 9149 अदालतों के गठन मामले में पहले दिए गए आदेश के तहत हुई प्रगति का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था।

दुर्घटना में मौत पर 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दोपहिया वाहन दुर्घटना में एक युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। युवती की दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने सात दिसंबर 2020 को हुई दुर्घटना में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। शिल्पा और उसकी दोस्त अंजलि दोपहिया वाहन पर सवार थे, जबकि उनका दोस्त रोहित उस वाहन को चला रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि वाहन किसी अन्य व्यक्ति का है और उसका बीमा नहीं था। वाहन चालक और मालिक संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी हैं।

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

किसान पथ पर बस से टकराई डीसीएम, एक की मौत

संवाददाता, सरोजनीनगर

- 10 की हालत गंभीर, सुल्तानपुर से इटावा जा रही थी बरात

अमृत विचार : बिजनौर स्थित किसान पथ पर अनूपखेड़ा अंडरपास के पास मंगलवार रात बड़ा हादसा हो गया। उल्टी दिशा से आ रही डीसीएम ने बरातियों से भरी बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस और डीसीएम का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में सवार 70 वर्षीय राम मझोर की मौके पर मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए। इनमें 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को पहले सीएचसी मोहनलालगंज और बाद में लोकबंधु अस्पताल रेफर किया गया। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा के अनुसार बस सुल्तानपुर के बल्दीराज स्थित लखैतामाफली गांव से बरात लेकर इटावा जा रही थी। बस में करीब 40 लोग सवार थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही डीसीएम ने सीधे बस में टक्कर मार दी। हादसे के बाद डीसीएम चालक मौके से फरार हो गया, जबकि कंडक्टर केबिन में फंस गया। बस चालक भी अंदर दब गया था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और दमकल टीम ने कटर से वाहन के अगले हिस्से को काटकर चालक-कंडक्टर को बाहर निकाला। गंभीर घायलों में राजेश कुमार, साधुराम, अमरनाथ, लक्ष्मण यादव, वासुदेव, राजेश यादव, प्रदीप यादव, शकील, संदीप और संतोष शामिल हैं।

गंभीर संकट | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2.5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता ' 'बेहद खराब'' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 26 नवंबर 2025

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के डायमंड जुबिली कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य और कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्काउट-गाइड। अमृत विचार

जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र बनता महाशक्ति

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में मुख्यमंत्री ने युवाओं को सफलता और एकता का दिया संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र ही महाशक्ति बनता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आपको प्रकृति प्रेम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना होगा, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा तथा राष्ट्रीय एकता के लिए सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहना होगा। यह कार्य अगर हम सभी मिलकर करेंगे, तो देश की कोई चुनौती शेष नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री, मंगलवार शाम को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के डायमंड जुबिली कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महापुरुषों जैसे स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और मेजर ध्यानचंद के उदाहरण पेश कर कहा कि सफलता का मूलमंत्र सामूहिकता, टीमवर्क और अनुशासन है। मुख्यमंत्री योगी ने आदिगुरु शंकराचार्य का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि केरल से निकला हुआ एक सन्यासी आदिशंकर देश के चारों कोनों में चार धाम की स्थापना कर भारत की सनातन ध्वजा को दूर-दूर तक फहराने का कार्य मात्र 32 वर्ष की आयु में कर दिखाया। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, प्रादेशिक अध्यक्ष महेंद्र सिंह और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जम्बूरी में रस्से पर साइकिल चलाते स्काउड गाइड के विद्यार्थी। अमृत विचार

ध्यानचंद एडवेंचर विलेज का उद्घाटन

अमृत विचार : कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि एडवेंचर स्पोर्ट्स केवल रोमांच ही नहीं, बल्कि युवाओं में निर्णायक क्षमता, टीमवर्क और नेतृत्व जैसे गुण विकसित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के अवसर पर मेजर ध्यानचंद एडवेंचर विलेज का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

झांकी को सराहा

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का भ्रमण किया और इंटीग्रेशन मार्च में प्रतिभाग किया। उन्होंने स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रस्तुत की जा रही "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की जीवंत झांकी की सराहना की।

स्काउट्स एवं गाइड्स ने पेश की है मिसाल : केशव मौर्य

स्काउट्स एवं गाइड्स की हीरक जयंती व 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत करते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हर संकट की घड़ी में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल पेश की है। कुम्भ मेले से लेकर कोरोना काल, बाढ़ और आपदा प्रबंधन तक, हर मौके पर स्काउट्स एवं गाइड्स की टीमों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर समाज की सेवा की है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा में युवाओं की बढ़ती भागीदारी देश के उज्जवल भविष्य की पहचान है। उप मुख्यमंत्री सोमवार की शाम डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रोन शो की शुरुआत करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

कार्यशाला में तय होगा यूपी टूरिज्म का भविष्य

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' को लेकर पर्यटन विभाग 27 नवंबर को योजना भवन, लखनऊ में पर्यटन कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। कार्यशाला के माध्यम से प्रदेश को सतत, समावेशी और विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की रणनीति बनेगी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी मुख्य वक्ता के रूप में राज्य की दीर्घकालिक पर्यटन दृष्टि प्रस्तुत करेंगे। पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात क्षेत्र की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालेंगे। कार्यशाला में विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और विभिन्न हितधारकों के सुझावों को संकलित कर विजन डॉक्यूमेंट में शामिल किया जाएगा। इसके आधार पर प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए दीर्घकालिक रोडमैप तैयार होगा, जो निवेश, अवसंरचना, रोजगार और प्रदेश की सांस्कृतिक संपदा को नई ऊंचाई देने का आधार बनेगा।

270 चिकित्साधिकारियों को मिलेगी पुरानी पेंशन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने आयुर्वेद विभाग के 270 चिकित्साधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। ये सभी अधिकारी 2003 में विज्ञापित पदों के तहत चयनित हुए थे और वर्ष 2009 में नियुक्ति पाए थे। प्रमुख सचिव रंजन कुमार द्वारा मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, संबंधित अधिकारियों के विकल्प पत्रों की संस्तुति प्राप्त होने पर शासन ने शासनादेश 28 जून 2024, 11 जुलाई 2024 और 30 जुलाई 2025 का हवाला देते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इन 270 चिकित्साधिकारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के स्थान पर उप्र. रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स-1961 के तहत पुरानी पेंशन प्रणाली का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार के इस निर्णय से चिकित्साधिकारियों का संघर्ष खत्म हो गया और सभी ने राहत की सांस ली।

खादी महोत्सव में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती नगर स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में चल रहे खादी महोत्सव-2025 में उद्यमियों को बिक्री, ब्रांडिंग और व्यवसाय विस्तार के लिए प्रभावी मंच मिल रहा है। 21 से 30 नवम्बर तक चल रहे इस महोत्सव में मंगलवार को क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में खादी उत्पादकों, ग्रामोद्योग इकाइयों, फैशन डिज़ाइनरों, खरीदारों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विशेषज्ञों ने खादी उत्पादों को डिजिटल मार्केटिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और ऑर्गेनिक उत्पाद नवाचार से जोड़कर ग्रामीण रोजगार को सशक्त बनाने पर बल दिया।

पीएम एफएमई योजना में यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम-एफएमई) योजना के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए हैं। राज्य में प्रस्तावों की स्वीकृति का औसत समय मात्र 100 दिन है, जबकि 98 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष स्थान पर है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने मंगलवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में आवंटित 311.71 करोड़ रुपये में से 252.89 करोड़ राशि व्यय की जा चुकी है। तृतीय किश्त के लिए भारत सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग भी भेजी गई है।

स्पेशल सेल तैयार करने में जुटी थी शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एटीएस की रडार पर 'बी टीम', दो शहरों के एचओडी की तलाश तेज

शाहीन

अमृत विचार : दिल्ली बम धमाके की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन यूपी में स्पेशल 26 मॉडल पर काम कर रही थी। शाहीन की गतिविधियों को लेकर जांच एजेंसियों ने निगरानी तेज कर दी है। शाहीन की मुख्य टीम के साथ-साथ उसकी 'बी टीम' भी एटीएस की रडार पर है। इस बी टीम के तहत कुल पांच यूनिट्स तैयार की जानी थीं। जिनमें हर यूनिट में पांच-पांच डॉक्टर्स को शामिल किया जाना था। हर टीम के लीडर को 'एचओडी' यानी 'हेड ऑफ डिपार्टमेंट' का कोड दिया जाता था।

कानपुर में आरिफ, लखनऊ में परवेज और सहारनपुर में आदिल को शाहीन पहले ही एचओडी नियुक्त कर चुकी थी। अभी दो और शहरों में एचओडी बनाए जाने थे, जिनके नाम पता करने में एजेंसियां लगातार जुटी हुई हैं। योजना के मुताबिक, शाहीन केवल एचओडी से ही संपर्क रखती थी। टीम के अन्य चार सदस्यों से वह सीधे संपर्क में नहीं रहती थी। इतना ही नहीं, अलग-अलग टीम के सदस्य एक-दूसरे के बारे में कुछ नहीं जानते थे। यही कारण है कि किसी एक टीम पर कार्रवाई होने पर बाकी टीमें सुरक्षित रहतीं। एक तरह से यह पूरा नेटवर्क 'स्लीपर सेल' पैटर्न पर आधारित था।

एक रुपये के कोड को डीकोड कर रही एजेंसी

जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध अकाउंट्स में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बेहद सीमित किए गए। लेकिन बड़े अमाउंट वाले लेन-देन में एक खास पैटर्न लगातार देखने को मिला। 1,00,001 रुपये, 2,00,001 रुपये जैसे ट्रांसफर हर महीने की 25 से 28 तारीख के बीच किए जाते रहे। सूत्रों का मानना है कि ट्रांजेक्शन में "1 रुपये अतिरिक्त जोड़ना" किसी विशेष संदेश या कोड का हिस्सा हो सकता है। एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच कर रही हैं। डॉ. शाहीन, डॉ. आदिल, डॉ. आरिफ और डॉ. परवेज के बैंक खातों की गहन छानबीन में बड़ा खुलासा हुआ है। पिछले सात वर्षों में इन खातों में 40 करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेन-देन सामने आया है। कई खातों में लगातार छोटे-छोटे अमाउंट आते-जाते रहे। कुछ खातों में हर हफ्ते 2 से 3 बार 20,000 से 25,000 रुपये तक निकाले जाते रहे। वहीं कुछ खातों में हर 15 दिन पर राशि जमा की जाती और अगले ही दिन निकाल ली जाती थी। 6 नवंबर को कई खातों से एक साथ लाखों रुपये निकाले जाने की जानकारी भी सामने आई है। इसके अलावा, 2021 के बाद से कुछ संदिग्ध अकाउंट पूरी तरह निष्क्रिय पाए गए।

बिजली बिल में ब्याज माफ, मिलेगी छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- घरेलू व छोटे व्यवसायियों के लिए 'बिजली बिल राहत योजना' शुरू

अमृत विचार : घरेलू एवं छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएस) ने 'बिजली बिल राहत योजना 2025-26' की बड़ी घोषणा की है। पहली बार उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफी के साथ मूलधन पर 25 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त होगी। यह विशेष योजना 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी की मंशानुसार उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े, इसी उद्देश्य से तैयार की गई है। योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं (लोड दो किलोवाट तक) और छोटे दुकानदार उपभोक्ताओं (लोड एक किलोवाट तक) को लंबित बिजली बकायों पर बड़ी राहत दी जाएगी। इतना ही नहीं, छोटे बकायों के निस्तारण के लिए आसान मासिक किश्तों का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा, जिससे उपभोक्ता बिना किसी आर्थिक दबाव के देय भुगतान कर सकें।

उपभोक्ताओं से अपील : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने आमजन से अपील की है कि वे इस सीमित अवधि की योजना का समय रहते लाभ उठाएं और बकाया भार से राहत प्राप्त करें। अधिक जानकारी और सहायता के लिए उपभोक्ता 1912 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वतः संशोधित होंगे बढ़े हुए बिजली बिल

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि तकनीकी कारणों से बढ़े हुए बिलों के मामलों में कॉर्पोरेशन की तकनीकी प्रणाली औसत खपत के आधार पर बिलों को स्वतः संशोधित करेगी। इससे उपभोक्ताओं को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। योजना के तहत बिजली चोरी से संबंधित लंबित केसों में भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राहत और समझौते का अवसर मिलेगा, जिससे विवादों के त्वरित निस्तारण में सहायता होगी।

एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ ओटीपी नहीं मांगते: रिणवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धोखाधड़ी मामलों को लेकर मतदाताओं से सतर्क रहने की अपील की

अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान साइबर क्राइम के मामले भी प्रकाश में आए हैं। इसके लिए उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं को सतर्क करते हुए कहा कि कुछ अराजक तत्व बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) या निर्वाचन विभाग का प्रतिनिधि बनकर मोबाइल नंबर पर ओटीपी मांगने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि एसआईआर के गणना प्रपत्र भरने में बीएलओ द्वारा किसी भी प्रकार का ओटीपी नहीं मांगा जाता। इसलिए मतदाता ऐसी किसी भी कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि इस तरह की गतिविधियां साइबर ठगी और धोखाधड़ी की श्रेणी में आती हैं। यदि कोई व्यक्ति फोन, मैसेज या किसी अन्य माध्यम से ओटीपी मांगने की कोशिश करे तो तुरंत ऐसी कॉल को अस्वीकार करें और ओटीपी साझा न करें। वास्तविक बीएलओ केवल घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण, संग्रह और आवश्यकतानुसार भरने में सहायता कर रहे हैं। मतदाता चाहें तो स्वयं भी प्रपत्र भरकर बीएलओ को दे सकते हैं।

सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अफवाहों और धोखाधड़ी से बचाव के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाए और किसी भी शिकायत पर संबंधित एजेंसी को सूचना देकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अपील की कि वे किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी या अफवाह से दूर रहें।

एसआईआर में गड़बड़ी की सपा ने की शिकायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर समय सीमा बढ़ाने की मांग की

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में चल रही एसआईआर (विशेष गहन पुनिरीक्षण) प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर हो रही अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से लंबी-चौड़ी शिकायत भेजी है। पार्टी ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को जबरन थर्ड ऑप्शन में सबमिट कराया जा रहा है, जो निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन है। सपा ने इस संबंध में कार्रवाई करने और एसआईआर के लिए समय सीमा बढ़ाने की मांग की है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा मंगलवार को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि कई जिलों में जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (इलेक्शन), एसडीएम (ईआरओ) और सुपरवाइजर स्तर के अधिकारी बीएलओ पर दबाव बनाकर प्रतिदिन 100 गणना प्रपत्र हर हाल में थर्ड ऑप्शन में अपलोड कराने के निर्देश दे रहे हैं। बीएलओ को इस संबंध में लगातार संबन्धित अन्य आदेश भी भेजे जा रहे हैं। शिकायतों में औरैया की घटना का जिक्र किया गया है, जिसमें बीएलओ को थर्ड ऑप्शन चुनने के लिए बाध्य करने और शिकायत करने पर जनप्रतिनिधियों से अभद्रता करने के आरोप लगाए गए हैं।

बड़ी संख्या में मतदाताओं की ओर से गणना प्रपत्र में अपना विवरण 2003 की मतदाता सूची में दर्ज जानकारी के मुताबिक भरकर बीएलओ को जमा किए जा रहे हैं। नियमानुसार, ऐसे मतदाताओं को फर्स्ट ऑप्शन या सेकेंड ऑप्शन में सबमिट किया जाना चाहिए था, परंतु जानबूझकर उन्हें थर्ड ऑप्शन में डाला जा रहा है।

सपा प्रमुख ने सभी बीएलओ को लिखा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नोएडा में महिला टीचर पिंकी सिंह के इस्तीफे और राजधानी लखनऊ में ब्रेन हेमब्रेज से बीएलओ की मौत के बाद सियासत गरमा गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मलिहाबाद में मृतक बीएलओ विजय कुमार वर्मा के परिजन से मुलाकात कर मुद्दे को राजनीतिक बना दिया, वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश के 1.62 हजार शिक्षकों को पत्र लिखकर अपनी संवेदनाए व्यक्त की हैं। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि एसआईआर के अव्यावहारिक लक्ष्य देकर कर्मचारियों पर अमानवीय दबाव बनाया जा रहा है।

तैयारी

पीपीपी मोड पर देने की योजना, निजी संस्थाएं करेंगी अपग्रेड

बंद पड़े राजकीय पॉलीक्लिनिक व लैब होंगे शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पशुओं को मिलेगी बेहतर उपचार सेवा, टेंडर जारी

अमृत विचार : प्रदेश में पशुपालन विभाग के सभी राजकीय पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं पीपीपी मोड पर निजी संस्थाएं संचालित करेंगी। जोकि शर्तों के अनुसार संचालित और बनने के बाद शोपीस बने पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं अपग्रेड करके बेहतर पशु उपचार सेवाएं प्रदान करेंगी। विभाग ने टेंडर जारी करके 2 दिसंबर को बैठक बुलाई है। इसमें सहमति बनने पर आगे की रूपरेखा तय की जाएगी।

दरअसल, विभाग ने पशुओं के उपचार के लिए लाखों रुपये खर्च करके लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर समेत मंडलीय जिलों में 25 राजकीय पॉलीक्लिनिक और 65 जिला व 10 क्षेत्रीय स्तरीय डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाएं बनाई हैं। इनमें लखनऊ समेत पांच जिलों में पॉलीक्लिनिक और लैब संचालित हैं। शेष में कई वर्ष से चिकित्सक, प्रयोगशाला सहायक समेत अन्य स्टाफ के पद स्वीकृत न होने की वजह से शुरुआत नहीं हो पाई है। ऐसे में विभाग ने सभी पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं पीपीपी मोड पर देने की योजना बनाकर टेंडर जारी किया है। चयन से पहले मुख्य रूप से फीस, चिकित्सक व स्टॉफ भर्ती, संचालन का समय, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, डायलसिस, सर्जरी व अन्य सुविधाओं पर चर्चा करके निर्णय लिया जाएगा।

तो हटेंगे चिकित्सक और बाहर से होगी भर्ती

यदि पीपीपी मोड पर पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं गईं तो उपचार की सेवाएं बेहतर होंगी, लेकिन पशुपालकों पर बोझ बढ़ेगा। कंपनियों द्वारा उपचार की फीस, दवाएं, इंजेक्शन आदि का शुल्क लिया जाएगा। जोकि अभी 10 रुपये के पर्चे पर उपचार और निशुल्क आवश्यक दवाएं दी जाती हैं। वहीं, कंपनी अपने अनुसार चिकित्सक और स्टाफ कम वेतन पर रखेगी। साथ ही लखनऊ समेत अन्य संचालित पॉलीक्लिनिक और लैब में कार्यरत चिकित्सक व स्टाफ भी हटाया जा सकता है।

पशु चिकित्सकों और स्टॉफ की भारी कमी : वैसे भी प्रदेशभर में पशुपालन विभाग के पास पशु चिकित्सक और स्टाफ की भारी कमी है। संसाधनों का भी अभाव है। अस्पतालों पर सर्जरी, प्लास्टर आदि की दवाएं, इंजेक्शन और सामान नहीं होता है। सर्जन भी कम हैं। यही हाल 1962 एमवीयू का है। इस वजह से सेवाएं प्रभावित होती हैं। इन्हीं कारणों से पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं चालू नहीं हो पाई हैं और जो संचालित हैं वह किसी तरह सेवाएं दे रहे हैं।

> बेहतर चिकित्सीय सुविधाओं के लिए पीपीपी मोड पर पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं देने की योजना है। 2 दिसंबर को बैठक बुलाई है। मुख्य रूप से शुल्क, संचालन आदि शर्तों पर चर्चा की जाएगी। सहमति बनने पर ही निर्णय लिया जाएगा।
>
> – डॉ. नेम पाल सिंह, निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग

टेली कॉलर बढ़ने से पशुओं की उपचार सेवा में सुधार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में संचालित पशुओं की 1962 सेवा में टेली कॉलर और मेडिसिन चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से आकस्मिक उपचार सेवा का दायरा बढ़ा है। मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) अब पहले से ज्यादा पशुओं का कम समय में उपचार करने लगी है। प्रतिदिन के केसों में दोगुना बढ़ोतरी हुई है।

पशुपालन विभाग के प्रस्ताव पर केंद्र ने पांचों कंट्रोल रूम में छह टेली कॉलर और एक मेडिसन चिकित्सक बढ़ा दिए हैं। लखनऊ, कानपुर और झांसी जोन के एजीएम अंबेश वाजपेयी ने बताया कि अब उनके कंट्रोल रूम में रोजाना दो हजार कॉल अटेंड करके करीब 700 पशुओं का आकस्मिक उपचार होने लगा है। शेष को परामर्श देते हैं। पहले एक हजार कॉल अटेंड करके करीब 300 पशुओं का ही उपचार हो पाता था और बेहतरी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अलीगंज स्थित 1962 सेवा के कंट्रोल रूम में कॉल अटेंड करते कॉलर।

28 तक नहीं बनेंगे ड्राइविंग लाइसेंस

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. परिवहन विभाग ने घोषणा की है कि 28 नवंबर तक पूरे प्रदेश के सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में ड्राइविंग लाइसेंस अप्रूवल की प्रक्रिया अस्थायी तौर पर रोक दी जाएगी। तत्पश्चात तीन नई कार्यदायी संस्थाओं द्वारा हार्डवेयर इंस्टॉलेशन किए जाने के बाद शुरू होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवधि में आवेदक फोटो कैप्चर कराने और ड्राइविंग टेस्ट देने के लिए आरटीओ कार्यालय जा सकेंगे, लेकिन लाइसेंस का अंतिम अप्रूवल 29 नवंबर के बाद ही शुरू होगा। विभाग ने सभी आरटीओ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे 25 नवंबर तक सभी लंबित (पेंडिंग) लाइसेंस अप्रूवल संबंधित कार्रवाई पूरी कर लें।

न्यूज ब्रीफ

अवैध गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने सरदार ढाबा के आगे शौचालय के पास से एक किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। कोतवाल पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए आरोपी की पहचान रत्नेश राय निवासी बालू शासन के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया।

सेंध काटकर नकदी व लाखों के जेवर चोरी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद के थाना क्षेत्र उसका बाजार के करमा गांव में सोमवार रात चोरों ने घर में सेंध काटकर नकदी व लाखों के जेवर चोरी कर लिये। गांव निवासी विमलेश शर्मा के घर के दो कमरों की सेंध काटकर 40,000 नकद और लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात ले गए। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह तब हुई जब परिजन सोकर जगे।

5 दिसंबर तक बंद रहेगा आधार सेवा केंद्र

लखनऊ, अमृत विचार। हजरतगंज के बर्लिंगटन चौराहे के पास रतन स्क्वायर स्थित आधार सेवा केंद्र 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक बंद रहेगा। आधार सेवा केंद्र के संचालक कैप्टन (रिटा.) देव राज त्रिपाठी ने बताया कि केंद्र में पुनर्निर्माण और तकनीकी सुधार के चलते दस के लिए केंद्र में कामकाज ठप रहेगा। इसके बाद पुन: सेवाएं शुरू की जाएंगी।

विशेष रेलगाड़ी का संचालन 25 व 28 को

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 04552/04551 सहारनपुर-बनारस-सहारनपुर अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन सहारनपुर से 25 नवम्बर को तथा बनारस से 28 नवम्बर को एक फेरे के लिए किया जायेगा। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 12 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

नियमों के बावजूद प्रतीक्षा सूची न बनाना गलत

होम्योपैथिक मेडिकल ऑफिसर भर्ती मामला: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याचिकाओं पर सुनाया फैसला

विधि संवाददाता, प्रयागराज

हाईकोर्ट से

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2018-19 की होम्योपैथिक मेडिकल ऑफिसर भर्ती में प्रतीक्षा सूची तैयार न करने को लेकर दाखिल याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक मेडिकल सेवा नियम, 1990 के तहत आयोग को अनिवार्य रूप से रिक्तियों से 25 प्रतिशत अधिक अभ्यर्थियों की सूची तैयार करनी चाहिए थी। वैधानिक नियमों को किसी भी शासनादेश के सहारे समाप्त नहीं किया जा सकता, इसलिए आयोग द्वारा प्रतीक्षा सूची न बनाना विधिसम्मत नहीं था।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार की एकलपीठ ने सना खान व अन्य की याचिकाओं को खारिज करते हुए पारित किया। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी निर्णय दिया कि यदि प्रतीक्षा सूची अस्तित्व में होती भी तो उसका जीवनकाल एक वर्ष ही माना जाता और यह अवधि 28 मई 2020 को पहली बड़ी अनुशंसा भेजे जाने की तारीख से ही शुरू मानी जाएगी। इस आधार पर 27 मई 2021 तक प्रतीक्षा सूची की वैधता समाप्त मानी गई। लिहाजा याचियों द्वारा 2022 में दाखिल याचिकाएँ प्रतीक्षा सूची की समाप्ति के बाद आईं, इसलिए उनके आधार पर नियुक्ति का दावा अब नहीं बनता। गौरतलब है कि यूपीपीएससी ने विज्ञापन संख्या 1/2018-19 के तहत 596 पदों पर भर्ती के लिए चयन प्रक्रिया चलाई थी। आयोग ने 28 मई 2020 को 566 अभ्यर्थियों की पहली बड़ी अनुशंसा भेजी। इसके बाद 26 पद रिक्त रह गए, क्योंकि कुछ ने ज्वॉइनिंग नहीं की और कुछ को नियुक्ति आदेश जारी नहीं हुआ। याचियों का तर्क था कि रिक्त पदों को पहले प्रतीक्षा सूची से ही भरा जाए,

जबकि आयोग व राज्य ने तर्क दिया कि 1999 के शासनादेश के अनुसार प्रतीक्षा सूची समाप्त कर दी गई थी और यदि मानी भी जाए, तो उसकी वैधता एक वर्ष ही होगी और बाद में राज्य सरकार ने इन रिक्त व बाद में सृजित कुल 54 पदों के लिए 2023 में नया अधियाचन भेज दिया और 2025 में नई अनुशंसाएँ भी जारी हो गईं। कोर्ट ने शासनादेश को नियमों के ऊपर प्रभावी न मानते हुए कहा कि नियम 15(3) वैधानिक है और प्रतीक्षा सूची बननी थी, परंतु प्रतीक्षा सूची का जीवनकाल पूर्ववर्ती शासनादेशों के अनुरूप केवल एक वर्ष ही माना जाएगा।

अधीनस्थ न्यायालयों को सजा में सुधारात्मक उपायों पर विचार करने के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1982 के एक साधारण मारपीट मामले में तीन महीने की सजा पाए आरोपी को जेल भेजने के बजाय अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के तहत रिहा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने माना कि घटना को 43 वर्ष बीत चुके हैं और आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। ऐसे में कारावास देना न तो न्यायिक नीति के अनुरूप है और न ही सुधारात्मक दंड व्यवस्था के उद्देश्य को पूरा करता है। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने न केवल प्रोबेशन एक्ट पर विचार नहीं किया, बल्कि यह भी दर्ज नहीं किया कि आरोपी को यह लाभ क्यों नहीं दिया गया, जबकि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 361 के अनुसार विशेष कारण दर्ज करना अनिवार्य है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला की एकलपीठ ने शमशेर सिंह और अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया।

20 साल से लंबित मुकदमे को जल्द निस्तारित करने के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 20 साल से लंबित पड़े एक आपराधिक मुकदमे में 'सुस्त रवैया' अपनाने के लिए प्रयागराज की निचली अदालत को कड़ी फटकार लगाई है। नियमित स्थगन और 13 वर्षों तक एक भी गवाह पेश न कर पाने के कारण 73 वर्षीय आरोपी को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया गया है। कोर्ट ने आगे कहा कि रिकॉर्ड से प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि ट्रायल कोर्ट अपने कर्तव्य के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरत रही है और अभियोजन पक्ष को बिना किसी प्रभावी कार्रवाई के लगातार राहत देती आ रही है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने श्रीश कुमार मालवीय द्वारा दाखिल याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया। कोर्ट ने कई वर्षों से लंबित मामले पर विचार करते हुए कहा कि 73 वर्ष के एक वरिष्ठ नागरिक को ट्रायल कोर्ट द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ दिखती है। दरअसल याची वर्ष 2005 से जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 129 के तहत मुकदमे का सामना कर रहे हैं, जिसकी अधिकतम सजा छह माह है। आरोपपत्र 9 सितंबर 2005 को दाखिल हुआ, पर आरोप तय होने में सात वर्ष (2012) लग गए।

मुकदमों के शीघ्र निस्तारण को एआई आधारित तकनीक का प्रयोग करें ट्रायल अदालतें

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जामा मस्जिद में हुई हिंसा से जुड़े चर्चित मामले में आरोपी मोहम्मद निहाल को जमानत पर रिहा करने का आदेश देते हुए कहा कि आरोपी न तो एफआईआर में नामजद था और न ही सीसीटीवी फुटेज में उसकी कोई स्पष्ट पहचान सामने आई है, साथ ही इस मामले में समान भूमिका वाले दो सह-आरोपी, मोहम्मद मोहसिन उर्फ मोसिन और शाहमीर उर्फ समीर जमाल पहले ही जमानत पर छूट चुके हैं। ऐसे में कोर्ट ने आरोपी को समरूपता के आधार पर राहत का हकदार माना। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने मोहम्मद निहाल को सशर्त जमानत देते हुए पारित किया। बता दें कि पुलिस स्टेशन नख़ासा, संभल में 150-200 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की गंभीर धाराओं, क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट, 1932 की धारा 7 और पब्लिक प्रॉपर्टी डैमेज प्रीवेंशन एक्ट की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। बाद में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 30 व्यक्तियों की पहचान कर चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए पाया कि आरोपी का नाम प्राथमिकी में नहीं है बल्कि सह-आरोपी के कबूलनामे के आधार पर बाद में जोड़ा गया है। उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद नहीं हुई। कोर्ट ने यह भी पाया कि चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, इसलिए अब आरोपी की कस्टोडियल पूछताछ भी आवश्यक नहीं है।

गोंडा में बड़ा हादसा: बीएलओ ड्यूटी वाले शिक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: नवाबगंज थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जैतपुर माझा में तैनात शिक्षक विपिन यादव, निवासी मल्हनी गांव, जौनपुर की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ने के बाद लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। विपिन की एसआईआर कार्य में बीएलओ के तौर पर ड्यूटी लगी थी और वह मंगलवार की सुबह विपिन यादव स्कूल जाने के लिए निकले थे कि रास्ते में उनकी तबीयत बिगड़ गयी। बताया जा रहा है कि काम के दबाव में विपिन ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद उनकी स्थिति तेजी से बिगड़ती चली गई। साथी शिक्षकों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत उन्हें नवाबगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से स्थिति गंभीर होने पर उन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उन्हें लखनऊ भेजने का निर्णय लिया गया। घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन खुद मेडिकल कॉलेज पहुंचीं। उन्होंने इलाज कर रहे डॉक्टरों और सीएमओ से पूरी जानकारी ली और तुरंत एसडीएम सदर व नवाबगंज के नायब तहसीलदार की निगरानी में उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कराया लेकिन वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बता दें कि विपिन यादव की मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के लिए बीएलओ की ड्यूटी लगी थी। वे अपना लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा भी कर चुके थे।

गोंडा मेडिकल कॉलेज के ऑन-ड्यूटी डॉक्टर आफताब आलम ने बताया कि "शिक्षक विपिन यादव को बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। प्रोटोकॉल के तहत हर जरूरी उपचार दिया गया, सीपीआर भी दिया गया, लेकिन हालत खराब होने पर लखनऊ रेफर करना पड़ा।

बार एसोसिएशन के द्वार का नाम श्रीराम द्वार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन परिसर के मुख्य द्वार का नाम श्रीराम द्वार रखा गया और ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व न्यायाधीश राघवेंद्र प्रसाद पांडे उपस्थित रहे। बार के अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, महामंत्री कृपाशंकर त्रिपाठी व कार्यकारीणी के प्रमोद कुमार सिंह, नरेंद्र कुमार भार्गव, पवन चंद्र शुक्ला, खुर्शीद अहमद आदि के साथ अखंडकृपा हनुमंतालय पर ध्वज का विधि विधान से पूजन किया गया। इसके बाद नवनिर्मित श्रीराम द्वार पर ध्वज को प्रतिष्ठित किया।

श्रीराम द्वार का उद्घाटन करते अतिथि।

ध्वज को प्रतिष्ठित के करने के कार्यक्रम के पश्चात बार भवन में आयोजित सभा में अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि वह न्यायिक अधिकारी हैं जिन्होंने सन 1992 में मुरली मनोहर जोशी, अशोक सिंघल, उमा भारती, साध्वी ऋतंभरा आदि 18 अभियुक्तों का रिमांड यह कहते हुए रिफ्यूज किया कि "इन्होंने किसी मस्जिद को ध्वस्त नहीं किया है बल्कि एक विवादित ढांचा था, इसलिए रिमांड रिफ्यूज किया जाता है।

पूर्व न्यायाधीश राघवेंद्र प्रसाद पांडे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब संविधान का निर्माण हो रहा था तो उसे संविधान में सनातन धर्म से संबंधित तमाम चित्र सम्मिलित किए गए थे। लेकिन तत्कालीन सरकार ने संविधान सभा द्वारा प्रस्तावित चित्रों को एक वर्ग विशेष को खुश करने के लिए संविधान से उन चित्रों को हटा दिया, जिसे संविधान सभा के 100 में से 68 लोगों ने स्वीकृत किया था। कहा कि तत्कालीन जिलाधिकारी व जिला न्यायाधीश ने मुझे समर्थन देकर न्याय करने का आदेश दिया था और न्याय की देवी जब कोई कार्य करने के लिए न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित होकर आदेशित करती है तो वही न्यायाधीश कार्य करता है सभा में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं तथा जन समुदाय ने करतल ध्वनि से इस बात का स्वागत किया।सभा में अरुण तिवारी पशुपतिनाथ दुबे अनूप दुबे रमेश कुमार पांडे अनिल कुमार विश्वकर्मा शिवाकांत मिश्रा मनीष शुक्ला अंबरीश पांडे मनोज शुक्ला सिंटू शुक्ला श्रीकांत मिश्रा अमित कुमार त्रिपाठी दिवाकर दुबे नागेंद्र नाथ पांडे आदि सैकड़ो अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही।

पुलिया से टकराई बाइक, दो दोस्तों की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : मंगलवार दोपहर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। रफ्तार के चलते इनकी बाइक पुलिया से जा टकराई, दोनों घायलों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सरयू नदी के दूसरे छोर पर रहने वाले मृतक जिला मुख्यालय पर पेंटिंग का काम पूरा कर अपने मूल गांव जा रहे थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार यह हादसा मंगलवार की दोपहर जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में दरहरा पुलिया पर हुआ। टिकैतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बांसगांव निवासी सुनील पुत्र रामहरख व मजरा कमियार वासी देवा निषाद पुत्र रवीन्द्र मंगलवार को जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के कनौजिया गांव में पेटिंग का काम पूरा करने के बाद अपने गांव वापस जा रहे थे। बताया जा रहा कि क्षेत्र में दरहरा गांव स्थित पुलिया से इनकी तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों युवक बाइक समेत नीचे जा गिरे। हादसा इस कदर गंभीर था कि कुछ ही पलों में इन दोनों की मौत हो गई। उधर से गुजरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस इन्हे सीएचसी लेकर गई जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मोबाइल के सहारे पड़ताल की तो दोनों का गांव सरयू नदी के दूसरी छोर का निकला। जहां पहुंचने के लिए गोण्डा जिला होकर जाना पड़ता है। परिजनों को सूचना देकर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पेंटिंग के काम में माहिर सुनील व देवा में गहरी दोस्ती थी, वहीं दोनों अपने घर के कमाऊ सदस्य भी थे।

टीईटी लागू करने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

कुशीनगर, अमृत विचार : मंगलवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कुशीनगर के एक प्रतिनिधि मंडल ने सांसद विजय कुमार दुबे को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है की देशभर के अनुभवी एवं वर्षों से कार्यरत शिक्षकों पर अनिवार्य टीईटी लागू करने का निर्णय न केवल अव्यावहारिक है बल्कि यह शिक्षकों के सम्मान, अनुभव तथा शिक्षा व्यवस्था में उनके दीर्घकालिक योगदान की उपेक्षा भी करता है। गोरखपुर मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ल ने कहा कि अनेक शिक्षक लंबे समय से विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में उत्कृष्ट सेवाएँ दे रहे हैं तथा उनकी कार्यक्षमता सिद्ध एवं संतोषजनक है। ऐसे में उन पर पुन: टीईटी अनिवार्य करना अनुचित एवं असंगत है। जिलाध्यक्ष अविनाश शुक्ल ने बताया कि यह निर्णय शिक्षकों पर अनावश्यक मानसिक दबाव उत्पन्न करता है और स्थिरता के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता को भी प्रभावित करने की आशंका पैदा करता है। प्रतिनिधि मंडल ने सांसद से अनुरोध किया कि वह इस मुद्दे को संसद और सरकार के समक्ष प्रभावशाली ढंग से उठाएं।

वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन आज से

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में 69वां अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) वॉलीबाल चौम्पियनशिप-2025 का आयोजन सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 26 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक किया जायेगा। बुधवार को अपराह्न 3 बजे प्रतियोगिता का शुभारम्भ पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल करेंगे। 25 नवम्बर को महासचिव/ नरसा एवं मुख्य जनसमपर्क अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक कर प्रतियोगिता के नियमों, टीमों के पूल निर्धारण, ग्राउण्ड की तैयारी आदि पर विचार-विमर्श किया गया।

धर्म ध्वजारोहण को लेकर मनाई खुशी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। अयोध्या में दिव्य-भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति में भव्य धर्म ध्वजारोहण समारोह संपन्न हुआ। जिसको लेकर पूरे जनपद में हिंदू जनमानस में उत्साह का माहौल दिखा।

हिन्दू भवन कार्यालय पर खुशी मनाते श्रद्धालु। अमृत विचार

सदर विधायक श्यामधनी राही के हिन्दू भवन कार्यालय पर धर्म ध्वजारोहण को लेकर एकदूसरे को मिठाई खिलाकर एवं पटाखे जलाकर खुशियां मनाई गई। इस दौरान रामभक्तों ने जय श्री राम सनातन धर्म की जय हो के जयघोष के साथ भगवान श्री राम का गुणगान किया। इस अवसर पर सहित विधायक प्रतिनिधि सत्य प्रकाश राही, निवर्तमान भाजपा मण्डल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, बाल गोविन्द पाठक, मनीष जायसवाल, राम जानकी मंदिर के महंत रामचन्द्र दास रामायणी, श्री सिंघेश्वरी मंदिर के महन्त शिव प्रसाद दास त्यागी, राजकमल जायसवाल, धीरेंद्र वर्मा, अर्जुन लोधी, अनिल कुमार, मुनिराम राजभर, इंद्रजीत रस्तोगी, भारी संख्या में श्रद्धालु एवं साधु-संत उपस्थित रहे।

प्रसव के दौरान महिला की मौत शव सड़क पर रख घंटों हंगामा

संवाददाता, संतकबीरनगर। खलीलाबाद के पटखौली स्थित श्रीवंश हॉस्पिटल में मंगलवार को प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद नाराज परिजनों ने डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसी बीच अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ मौके से फरार हो गए, जिससे आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के सामने शव को सड़क पर रखकर नेदुला-पटखौली मार्ग पर करीब सात घंटे तक जाम लगाया। सूचना पर प्रभारी एसपी सुशील कुमार सिंह, एसडीएम अरुण कुमार, सीओ अजय सिंह समेत कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। बाद में ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर की मोबाइल में फोटो दिखाने पर परिजन शांत हुए। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सीएमओ द्वारा गठित टीम ने देर शाम अस्पताल को सील कर दिया।

गोरखपुर जनपद के हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के झुड़िया बाबू गांव निवासी हरिओम विश्वकर्मा ने बताया कि उनकी 40 वर्षीय पत्नी पिंकी विश्वकर्मा का इलाज मार्च 2025 से इसी अस्पताल में चल रहा था। मंगलवार सुबह प्रसव पीड़ा बढ़ने पर उन्हें श्रीवंश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पति हरिओम के अनुसार, डॉक्टर शरीक अहमद ने ऑपरेशन की बात कही और परिवार ने सहमति दे दी। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान लापरवाही के कारण पिंकी की मौत ओटी में ही हो गई। इसके बाद अपनी कमी छिपाने के लिए डॉक्टर व स्टाफ महिला को मेडिकल कॉलेज रेफर करने की बात कहकर एंबुलेंस में शव रखवाकर चुपके से बाहर हो गए। इसी दौरान परिजनों को मौत की जानकारी मिली, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया और डॉक्टर-स्टाफ मौके से भाग निकले।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंग्गल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-Sig-Tender-40-2025-26
कार्य का नाम	"एस एंड टी वर्क इन कनैक्शन विथ डायरेक्ट रिसेप्शन ऑफ ट्रैन टू आर.सी.पी.एल. ऐट के.वी.जी. स्टेशन ऑफ लखनऊ डिवीजन ऑफ नॉर्थर्न रेलवे।"
अनुमानित लागत	रु. 1,02,98,434.72
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु. 2,01,500.00
कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	15.12.2025 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/लखनऊ

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है • समस्त नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं.- 106-सिग-टेंडर-40/2025-26 दिनांक 21.11.2025 **3655/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द "खुली निविदा" वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:-

निविदा नोटिस संख्या: 47 वर्ष 2025, कार्य का विवरण: लखनऊ मंडल में 50000 से अधिक टीवीयू वाले 02 No. LC गेट (156/C GK-PD और 308/C BUW-BUR) की इंटरलॉकिंग। अनुमानित लागत: ₹ 95,76,261.24, बयाना राशि: ₹ 1,91,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 00.00, कार्य समापन अवधि: 180 दिन। **निविदा नोटिस संख्या:** 46 वर्ष 2025, कार्य का विवरण: LC 58 Spl (BVN) एवं LC 89 B (STP-TKUR) पर प्रस्तावित आरओबी के संबंध में सिग्नल केबल शिफ्टिंग कार्य एवं सर्किट परिवर्तन। अनुमानित लागत: ₹ 72,90,341.85, बयाना राशि: ₹ 1,45,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 00.00, कार्य समापन अवधि: 180 दिन। (1) निविदाओं के बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय 16-12-2025 at 15:00 hrs.

नोट: इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।

मं०रे०प्र० (सिग० एवं दूर० सं०)/ लखनऊ

मुजाधि/सिगनल-66

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) एवं स्पॉट, उत्तर प्रदेश

रेलवे स्टेशन रोड,अमौसी, लखनऊ, पिन कोड-226008 फोन/फैक्स - 0522/2304589 ई-मेल – mail.ats-up@gov.in

पत्र संख्या: प-44/2025 (एटीएस) (Crypto) दिनांक-नवम्बर, 22 2025

जेम (GeM) निविदा सूचना

आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) उ0प्र0, लखनऊ हेतु उ0प्र0 शासन द्वारा स्वीकृत उपकरण Crypto Analysis Tool-01 अदद जेम पोर्टल पर कस्टम बिड संख्या: (GEM/2025/B/6908820) दिनांक 22-11-2025 को बिड प्रकाशित की गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

BID DETAILS	
जेम कस्टम बिड संख्या	GEM/2025/B/6908820
जेम पर प्रकाशित तिथि	22-11-2025
बिड बंद होने की दिनांक / समय	10-12-2025, 14:00:00
बिड खुलने का दिनांक / समय	10-12-2025, 14:30:00
बिड वैधता की अवधि (बंद होने की दिनांक से)	180 days

उक्त उपकरण के क्रय हेतु जेम की नियम व शर्तें एवं विभाग द्वारा निर्धारित अतिरिक्त नियम एवं शर्तें (ATC) लागू होगी, को UP Police की Website - https://uppolice.gov.in पर भी देखा जा सकता है। कृपया कस्टम बिड संख्या- (GEM/2025/B/6908820) दिनांक 22-11-2025 में उल्लिखित क्रय संबंधी समस्त नियम व शर्तों के साथ बिड में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(देवेश कुमार पाण्डेय)
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,
आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस),
उ.प्र, लखनऊ।

UP – 241417 **दिनांक:** 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है, मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। जिसका अनुक्रमांक- 1101786 एवं उत्तीर्ण वर्ष 2005 है। **नीलम यादव पुत्री राजबहादुर यादव ग्राम-लम्बुई, पो. मेजरगंज, जिला रायबरेली मो.नं. 9918760811**

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम कुमारी मानसी पुत्री मनीष तिवारी है। अब मेरा नाम परिवर्तित हो गया है। मेरा नाम **अनुष्का तिवारी पुत्री मनीष तिवारी, निवासी कुतुबपुर, शीसामऊ, जिला गोंडा पिन कोड नं0- 271502 से जाना पहचाना जाए। उ0 प्र0**

सूचना

मैं रशीदा पत्नी मुशताक खान निवासिनी-1 शादाब कालोनी महानगर लखनऊ-226006, मेरा नाम पासपोर्ट में गलती से रशीदा बेगम (Rashida Begum) अंकित हो गया है जबकि मेरा सही नाम रशीदा (Rashida) है मुझे आजसे रशीदा के नाम से जाना व पहचान जाये।

सूचना

मैंने अपना नाम कमालुददिन से बदल कर कमालुद्दीन पुत्र श्री नसीर अहमद रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **कमालुद्दीन पुत्र श्री नसीर अहमद, निवासी- 494/30, सराय हसनगंज, डालीगंज, निराला नगर थाना-हसनगंज, लखनऊ**

सूचना

मैं ने अपना नाम SANTOSH KUMAR से बदल कर SANTOSH KUMAR YADAV रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: NANHKAU YADAV R/O:3/181, VINAMRA KHAND GOMTI NAGAR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226010

सूचना

सूचित किया जाता कि मै ABDUL HAQ से नाम बदलकर ABDUL HAQ FARIDI रख लिया है। अब भविष्य मे मुझे मेरे बदले हुए नाम से व पहचाना जाये। S/0-LATE ABDUL RASHID निवासी-एल-132 सेक्टर-L LDA कॉलोनी आशियाना कानपुर रोड लखनऊ उ0प्र0

मैं ALI JAHEER पुत्र मोहसिन अली नि0-390/56ख, न्यू नजफ रोड, रुस्तम नगर, लखनऊ। मेरा नाम की स्पेलिंग पासपोर्ट में ALI ZAHEER दर्ज हो गई है जोकि गलत है सही स्पेलिंग ALI JAHEER इसे ही सारे अभिलेखों में दर्ज किया जाये।

सार्वजनिक सूचना

सूचित हो कि मै **बद्री प्रसाद पुत्र विश्वनाथ निवासी- जयकरनपुर,मजरे बहरौली परगना कुर्सी तहसील फतेहपुर जिला-बाराबंकी,** अपने पुत्र कमलेश के क्रिया कलापों से तंग आकर उसे तथा उसके परिवार के सदस्यों (बीबी व बच्चों) को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा उनसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगे।

सार्वजनिक सूचना

सूच्य हो कि मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम त्रुटिवश VIDYA WATI व जन्मतिथि 01/07/1972 अंकित हो गया है, जो गलत है। जबकि अन्य अभिलेखों में उनका नाम VIDYAVATI व जन्मतिथि 16/10/1970 है, जो सही है। मेरे पिता का सही नाम GANESH DEEN CHAURASIA है। अत: मेरे एनटीपीसी सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी और पिता का सही नाम दर्ज किया जाए। **फूल चंद्र चौरसिया पुत्र श्री गनेश दीन चौरसिया निवासी - निकट कबीर चौराहा, खोजनपुर ऊंचाहार - रायबरेली।**

बेदखली सूचना

मेरे पुत्र बशीर अख्तर का कार्य व्यवहार व चाल चलन ठीक नहीं है। बशीर अख्तर के गलत आचरण और उत्पीड़न से तंग आकर मैंने उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उससे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं है। **बिब्बो बानो पत्नी स्व. मो. शब्बीर निवासी ग्राम-इब्राहिमपुर, मजरे हेमनापुर थाना व तहसील बल्दीराय जिला सुलतानपुर**

सूचना

सूचित हो मैं अपने पुत्र **सुजीत कुमार व बहू मीना कनौजिया** के गलत आचरण व व्यवहार व उत्पीड़न से तंग आकर इन दोनों लोगों से अपने सभी प्रकार के सम्बन्ध समाप्त करते हुए इन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं तथा आज से इनके द्वारा किसी भी प्रकार के किये गये कार्यों के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होंगे और शपथी व उसका परिवार किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा। **-शिवकिशोर पुत्र स्व0 परीदीन** निवासी-म0नं0-538क/764, शिवपुरम्, त्रिवेणी नगर-3, जिला लखनऊ, उ0प्र0

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 26 नवंबर 2025

शादी से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

युवक की शादी तय हो चुकी थी और बरीक्षा कार्यक्रम भी हो चुका था, परिवार बरात की तैयारी में जुटा था

संवाददाता, माल

अमृत विचार : दहियाताली–बीरपुर मार्ग पर मंगलवार सुबह ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार सुमित उर्फ राजा (25) की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हरदोई के नेवादा बाजार निवासी सुमित सोमवार शाम विवाह समारोह में शामिल होने आया था। मंगलवार सुबह पांच बजे वापस लौटते समय पोल्ट्री फार्म के पास ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुमित चंडीगढ़ में रेस्टोरेंट में काम करता था और चार दिन पहले ही घर आया था। उसकी शादी तय हो चुकी थी और बरीक्षा कार्यक्रम भी हो चुका था। परिवार बारात की तैयारी में जुटा था। परिवार में मां संतोष कुमारी और भाई अमित, ललित, बउवा व अंकित शामिल हैं।

दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर मौजूद रोते बिलखते परिजन। अमृत विचार

ट्रक में पीछे से घुसी कार, एक की मौत, साथी घायल

अमृत विचार, गोसाईंगंज : गोसाईंगंज स्थित आर एस हॉस्पिटल के पास सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार एक ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक 26 वर्षीय अब्दुल सईद की मौत हो चुकी थी। घायल साथी को सीएचसी भेजा गया, जहां से उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार मृतक और घायल दोनों बाराबंकी के लोनी कटरा स्थित सराय पांडेय के रहने वाले थे। मृतक अब्दुल सईद के पिता अब्दुल हमीद ने बताया कि उनके गांव में अश्वनी पांडेय के बेटे की शादी कबीरपुर मैरिज हॉल लान, गोसाईंगंज में थी। वह गांव के युवक विकास के साथ उसकी कार से समारोह में शामिल होने आए थे। देर रात लगभग 3 :30 बजे वापस लौटते समय आर एस हॉस्पिटल के पास कार आगे जा रहे ट्रक में पीछे से घुस गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को कार से निकाला। हादसे में सईद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विकास गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका बलरामपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। सईद प्राइवेट इलेक्ट्रिशियन था। उसकी शादी तय हो चुकी थी और कुछ दिनों में तारीख निकालनी थी। तीन भाइयों में वह सबसे बड़ा था।

एआरटीओ समेत दो की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के विभिन्न जनपदों में परिवहन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से ओवरलोड वाहनों से मौरंग व गिट्टी का परिवहन कर सरकार को राजस्व क्षति पहुंचाने के आरोप में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), लखनऊ राजीव कुमार बंसल व यात्री/मालकर अधिकारी मनोज कुमार भारद्वाज की अग्रिम जमानत अर्जी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश श्याम मोहन जायसवाल ने खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) द्वारा विवेचक को आरोपी अधिकारियों का स्थाई एवं अस्थायी पता न बताना अनुचित था। साथ ही आदेश की प्रति जिलाधिकारी लखनऊ को भेजते हुए कहा है कि वह सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) लखनऊ के इस आचरण को संज्ञान में ले एवं उन्हें विवेचना में अपेक्षित सहयोग देने हेतु आदेशित करें। कोर्ट में दोनों आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जियों का विरोध करते हुए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता महेश कुमार त्रिपाठी द्वारा कहा गया कि इस प्रकरण में एसटीएफ टीम द्वारा गत 12 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी जिसमें बताया गया था कि खदरी मोड़ से सीतापुर की ओर जाते हुए ब्रेजा गाड़ी के चालक अभिनव पांडे को जब पकड़ा गया तो उसने पूछताछ में बताया कि वह व उसका सगा भाई रितेश कुमार आरटीओ के अधिकारी व अधीनस्थों की मिली भगत से विभिन्न ट्रांसपोर्टर व डंपर मालिकों से संपर्क कर गिट्टी व मौरंग की ओवरलोडिंग कर धनार्जन करते हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि केस डायरी के अवलोकन से स्पष्ट है की विवेचक द्वारा कार्यालय संभागीय इकाई शासन लखनऊ से वांछित एआरटीओ राजीव कुमार बंसल एवं पीटीओ मनोज कुमार भारद्वाज के संबंध में उनके स्थाई व अस्थायी पते से संबंधित सूचना मांगी गई तो संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) लखनऊ द्वारा 19 नवंबर के पत्र में कहा कि दोनों अधिकारी उनके कार्यालय में कार्यरत हैं परंतु उनकी सेवा पुस्तिका एवं व्यक्तिगत पत्रावली परिवहन आयुक्त के कार्यालय में होने के कारण वह कोई विवरण उपलब्ध नहीं कर सकते हैं।

कोर्ट ने कहा है कि यह अत्यंत ही आश्चर्यजनक एवं खेद का विषय है कि दोनो आरोपी जिस कार्यालय में कार्यरत है उस कार्यालय में उनके स्थाई व अस्थायी पते का विवरण उपलब्ध न हो जबकि यह अधिकारी जिम्मेदार पद पर कार्य हैं। इससे स्पष्ट है कि इसका सिंडिकेट नेटवर्क इस कदर मजबूत है कि परिवहन विभाग द्वारा इस संबंध में विवेचक द्वारा मांगी गई वांछित सूचना को उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। कोर्ट ने विवेचक की इस रिपोर्ट को भी गंभीरता से लिया है जिसमें कहा गया है कि जमानत पर छूटने के बाद आरोपियों द्वारा विवेचना को प्रभावित किए जाने की पूरी संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

बंद पड़े मकान में लगी आग, सामान खाक

अमृत विचार, आशियाना : आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर–एम में मंगलवार सुबह बंद पड़े एक मकान के भूतल में अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और कमरे में रखा घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम से दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दल ने हौज पाइप लगाकर फायर टैंकर से पानी की पंपिंग करते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आलमबाग अग्निशमन अधिकारी आलमबाग धर्मपाल सिंह ने बताया कि मकान डॉ शैलेंद्र सिंह का है और वह इन दिनों परिवार संग मेरठ गए हुए हैं। मौके पर मौजूद उनके रिश्तेदार अभिषेक सिंह ने बताया कि आग भूतल से उठी थी और समय पर दमकल पहुंचने से बड़ा हादसा टल गया। आग में कमरे के भीतर रखा बेड, गद्दे सहित कई घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

ढाई वर्षीय बच्ची के साथ किया दुष्कर्म

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : इटौंजा इलाके में कैटर्स मजदूर ने सोमवार रात शादी समारोह के बीच से ढाई वर्षीय बच्ची को अगवा कर लिया। उसे मकान की तीसरी मंजिल की छत पर ले गया। जहां बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची की चीख सुनकर परिजन व रिश्तेदार छत पर पहुंचे। आरोपी को पकड़ लिया। उसकी धुनाई की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया। इटौंजा इलाके में स्थित एक गांव में सोमवार रात शादी समारोह का आयोजन था। पास में रहने वाला परिवार ढाई साल की बच्ची के साथ समारोह में शामिल होने पहुंचा था। रात करीब 11 बजे बरात के बीच में एक युवक घुस आया। उसने ढाई साल की बच्ची को गोद में ले लिया। परिजन युवक को देख नहीं पाए। युवक बच्ची को शादी वाले घर की तीसरी मंजिल पर ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के गायब होने के कारण परिजन ने तलाश शुरू की। आनन–फानन डीजे बंद कराया गया। डीजे बंद होते ही बच्ची की चीखने की आवाज सुनाई दी। आवाज से अंदाजा लगाते हुए परिजन और ग्रामीण मकान की तीसरी मंजिल पर पहुंच गए। युवक बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। परिजन ने आरोपी को दबोच लिया। आक्रोशित लोगों ने आरोपी को लात–घूसों और डंडों से जमकर पीटा। सूचना पर इटौंजा पुलिस पहुंची। पुलिस उसे अपने साथ लेकर थाने चली गई। उधर बच्ची के घरवाले उसे आनन फानन अस्पताल ले गए। जहां से उसे सौ सय्या अस्पताल रेफर कर दिया गया। एडीसीपी उत्तरी गोपीनाथ सोनी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी संदीप कुमार सीतापुर के सिधौली स्थित सीरगंज का रहने वाला है। उसे कोर्ट के सामने पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

3 घंटे में 25 बार की कॉल, तब पहुंची एम्बुलेंस

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- एम्बुलेंस की प्रतीक्षा में हाइवे किनारे फिर अस्पताल में घंटों तक दर्द से तड़पता रहा घायल युवक

अमृत विचार : सड़क हादसे में घायल युवक को समय पर एम्बुलेंस नहीं मिली। तीन घंटे तक मरीज दर्द से तड़पता रहा। आरोप है कि इस दौरान एम्बुलेंस के लिए 108 हेल्पलाइन पर करीब 25 बार कॉल की गई। पुलिस ने घायल युवक को अपने साधन से रामसागर मिश्र संयुक्त अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

बाराबंकी के जिन्दपुर थाना घुंघटेर निवासी संजय सिंह ने बताया कि उनका ऑटो रिक्शा खराब होने के कारण वह सीतापुर हाइवे स्थित आरके बीके पेट्रोल पंप के पास मरम्मत करवा रहे थे। इसी दौरान वे पास की पान मसाला की दुकान से सामान लेने गए। लौटते समय अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनका एक पैर और एक हाथ टूट गया, साथ ही अन्य चोटें भी आईं।

हाइवे किनारे मौजूद ढाबा संचालक और रिश्तेदार कृष्ण कुमार ने उन्हें जमीन पर लिटाया और 108 कंट्रोल रूम पर एम्बुलेंस के लिए कई बार मदद मांगी। वार्ता के बावजूद एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस कर्मियों ने भी 108 डायल किया, लेकिन काफी देर तक एम्बुलेंस नहीं आई।

अंततः पुलिस ने अपने वाहन से संजय सिंह को साढ़ामऊ स्थित रामसागर मिश्र अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया। कृष्ण कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने मोबाइल, डॉक्टरों और घायल युवक के मोबाइल से करीब 25 बार एम्बुलेंस की मदद मांगी।

तीन घंटे बाद पहुंची एम्बुलेंस से मरीज को ट्रॉमा ले जाया गया।

जन्मदिन पर 300 जरूरतमंदों को बांटे शॉल

अमृत विचार , निगोहां : कस्बे में स्थित बाबू सुन्दर सिंह फ़ाउंडेशन के तत्वावधान में बाबू सुन्दर सिंह ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में शॉल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से चेयरपर्सन श्रीमती रीना सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा, मानवता और समाज उत्थान की भावना को समर्पित था। समारोह में लगभग 300 जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक शॉल वितरित किए गए। आयोजन समिति में उपाध्यक्ष श्रीमती रीना सिंह, अध्यक्ष आनंद शेखर सिंह, ट्रस्टी अल्पना सिंह, डायरेक्टर जनरल डॉ. के.के. सिंह और डायरेक्टर फार्मेसी डॉ. आलोक कुमार शुक्ला शामिल रहे।

पड़ोसियों के घर में कुंडी लगाकर की चोरी

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचारः काकोरी के चकौली गांव में चोरों ने नये तरीके से चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने पहले पड़ोसियों के घरों में बाहर से कुंडी लगाई और इसके बाद ट्रेडर्स कारोबारी के घर से लाखों रुपये के जेवर व नकदी चोरी कर ली। पीड़ित के मुताबिक करीब सात लाख रुपये का सामान गायब हुआ है। घटना के समय परिवार शादी समारोह में शामिल होने गया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

काकोरी के चकौली निवासी ट्रेडर्स कारोबारी अमित कुमार वर्मा के मुताबिक सोमवार को वह परिवार सहित ससुराल में एक शादी समारोह में गए थे। इस दौरान चोर उनके मकान के पिछले गेट की ओर से फांदकर अंदर घुस गए। इसके बाद चोरों ने अलमारी में रखे 2.20 लाख रुपये नकद और 5 लाख रुपये के जेवर पार कर दिए। चोरों ने घटना के वक्त पड़ोसियों के घरों में बाहर से कुंडी लगा दी, ताकि कोई बाहर न आ सके।

मंगलवार सुबह उनके छोटे भाई अमरेंद्र घर पहुंचे तो कमरे के दरवाजे खुले मिले। इसके बाद उन्होंने सूचना दी।

चोरी के बाद खुली पड़ी आलमारी व बिखरा सामान।

- काकोरी के चकौली गांव में चोरों ने नए तरीके से दिया घटना को अंजाम

राम मंदिर के लिए सिखों ने दी कुर्बानी : योगी

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराने के लिये सिख गुरुओं और उनकी पीढ़ियों ने अपनी जान की कुर्बानी दी थी। आदित्यनाथ ने सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर लखनऊ में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रामजन्मभूमि (अयोध्या में) में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आज भारत के सनातन का भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर फहराया गया। यह एक भव्य कार्यक्रम था। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराया गया है। इसके लिए सिख गुरुओं और उनकी पीढ़ियों ने अपनी जान कुर्बान कर दी थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1510 से 1515 के बीच पहले सिख गुरु, गुरु नानक देव अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन करने गए थे। बाद में वर्ष 1528 में विदेशी आक्रांता बाबर के सैनिक ने उस मंदिर को तोड़ दिया था। उस समय बाबर के अत्याचारों को देखते हुए गुरु नानक देव ने बाबर को 'जाबर' कहा था और उसके जुल्मों का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने आगे कहा कि जब भी अयोध्या में राम जन्मभूमि के लिए संघर्ष हुआ तो सिख गुरुओं, सिख योद्धाओं, निहंगों, संतों, राजाओं, आम नागरिकों, माताओं और बहनों ने अपना बलिदान देने में कभी संकोच नहीं किया।

योगी ने कहा कि अयोध्या के बारे में हम सभी को एक बात याद रखनी चाहिए। साम्राज्य आए और गए। पीढ़ियां आईं और गईं। लेकिन, केवल एक चीज जो हमेशा रही वह थी आस्था। और वही आस्था एक बार फिर 500 साल बाद अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण को पूरा करने के इस महान यज्ञ की गवाह बनी है। वही आस्था आज यहां भी दिखाई दे रही है।

कार्यक्रम के दौरान सिख समुदाय के लोगों के साथ मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

एसआईआर के बारे में जानकारी देते कांग्रेस पार्टी के सदस्य।

कांग्रेसियों ने एसआईआर फार्म तारीख बढ़ाने पर की चर्चा

अमृत विचार, माल : कांग्रेस कमेटी के विधानसभा मलिहाबाद प्रभारी शिव कुमार गौतम ने माल में प्रेस वार्ता कर एसआईआर फार्म भरने की तारीख बढ़ाने और मतदाता सूची को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की मांग की। उन्होंने बताया कि फार्म भरने में लगाए गए 17 बीएलओ की तनाव के कारण मौत हो चुकी है, जबकि सुपरवाइजर रोज 100 फार्म अपडेट करने का दबाव बना रहे हैं, अन्यथा कार्रवाई की चेतावनी दी जा रही है। शिव कुमार गौतम ने कहा कि बीएलओ द्वारा डाली गई 2003 की सूची गलत है, जिसमें कई पुराने मतदाताओं के नाम ही गायब हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। प्रेस वार्ता में जिला महासचिव परवेज रमजी, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रज्जन आचार्य, सोनू महाराज, कामिल खान समेत कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

फर्जी अंकपत्र बनवा कई बने मदरसों के प्रधानाचार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदरसा बोर्ड में दो दशक से चल रहे जालसाजों के गिरोह
- डिजिटाइजेशन के आदेश को भी गिरोह ने कर दिया था दरकिनार
- शमशुद हुदा के खिलाफ कार्रवाई के बाद हरकत में आया मदरसा बोर्ड

अमृत विचार: मदरसा शिक्षा परिषद में करीब दो दशक से फर्जी अंक पत्र बनवाने वाले गिरोह का बोलबाला है। इस गिरोह पर शिकंजा कसने की तैयारी 2015 में हुई थी। हालात यह थे कि पुराने रिकार्ड से छेड़छाड़ कर कई ने फर्जी अंक पत्र बनवाया। इसके बाद कई मदरसों में बतौर प्रधानाचार्य कार्यरत हैं। नई पहल ने गिरोह के नेटवर्क ने ध्वस्त कर दिया। हाल में ही एटीएस द्वारा ब्रिटेन नागरिक बनकर मदरसा शिक्षक शमशुल हुदा खान ने लाखों रुपये वेतन हासिल कर लिया। इसका खुलासा होने और शासन के निर्देश पर मदरसा बोर्ड ने दोबारा फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसने की तैयारी कर दिया है। बोर्ड के अधिकारियों के इस पहल से गिरोह में शामिल कर्मचारियों में खलबली मच गई है।

मदरसा बोर्ड में फर्जी मार्कशीट, टेबुलेशन रजिस्टर में कूटरचना और कंप्यूटर डेटाबेस में छेड़छाड़ से जुड़े आरोप पिछले कई वर्षों से उठते रहे हैं। वर्ष 2015-16 में तत्कालीन रजिस्ट्रार द्वारा तकनीकी सुधारों की शुरुआत की गई थी, लेकिन बाद में प्रक्रिया फिर पुराने ढर्रे पर लौट आई। बोर्ड में वर्षों से तैनात कुछ कर्मचारियों पर दलालों के माध्यम से अभ्यर्थियों से मोटी राशि लेकर फर्जी मार्कशीट उपलब्ध कराने के आरोप लगते रहे हैं। नेटवर्क में डेटा एंट्री करने वाले कुछ कंप्यूटर ऑपरेटरों की भूमिका भी सामने आ रही है।

कर्मचारियों की अचानक पदोन्नति से गहराया संदेह

- शाहजहांपुर, बरेली और आगरा के राज्यानुदानित मदरसों में तैनात रहे कुछ कंप्यूटर ऑपरेटरों की अचानक पदोन्नति कर दिया। इससे विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के सांठगांठ की चर्चा को बल मिलने लगा। इसे अंकपत्र नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है। कुछ महीनों में परिषद के उपाध्यक्ष एवं निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण अंकित अग्रवाल द्वारा अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की पहल तेज की गई है। इसके बाद परिषद के भीतर कथित नेटवर्क के सक्रिय होने और पुराने मामलों को निपटाने की जल्दबाजी की चर्चा है।

सिर्फ एक वर्ष के अंकपत्र ही हो सकेंगे संशोधित

- रजिस्ट्रार द्वारा जारी आदेश ने स्थिति को और स्पष्ट कर दिया है। नए प्रावधान के तहत मार्कशीट में संशोधन केवल एक वर्ष के भीतर ही स्वीकार किए जाएंगे। द्वितीय प्रति किसी भी समय उपलब्ध होगी। पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है, जिससे बाबुओं और एजेंटों की कथित मनमानी पर रोक लग सके। डिजिटाइजेशन और नई नीति के बाद कथित नेटवर्क पर रोक लग सके। सूत्रों की माने तो फर्जी मार्कशीट के लिए लिया गया "बयाना" लौटाने, कई मोबाइल नंबर बंद करने और लंबित मार्कशीट मामलों को अचानक वापस लेने जैसी स्थितियां सामने आ रही हैं।

युवक ने लगाया था फंदा, डरे भाइयों ने बांक नाले में फेंका शव

निगोहां संवाददाता

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने की पुष्टि के बाद बदली पुलिस की जांच की दिशा
- गौतमखेड़ा बांक नाले में सोमवार सुबह मिला था शव, तीन गिरफ्तार

अमृत विचारः निगोहां के गौतमखेड़ा बांक नाले में सोमवार सुबह बोरी में बंधा युवक का शव मिलने पर हत्या की आशंका जताई गई थी। पुलिस भी इसी आधार पर जांच कर रही थी, लेकिन मंगलवार को मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हो गया कि युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। इसके बाद मृतक के परिजनों से पूछताछ में पूरी सच्चाई सामने आ गई। पता चला कि युवक के दो सगे भाई और मौसेरे भाई ने डर के कारण शव को फंदे से उतारकर बोरी में भर नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक मोहनलालगंज के राधाकृष्णखेड़ा में पारिवारिक विवाद के बाद अमित (34) ने फांसी लगा ली थी। भय के कारण बड़े भाई बेचालाल, छोटे भाई प्रेम और मौसेरे भाई मुकेश ने शव को बोरी में भरकर ऑटो से गौतमखेड़ा बांक नाले में फेंक दिया। सोमवार को शव मिलने पर संदेह के घेरे में आए परिजनों ने पूछताछ में पूरी घटना स्वीकार कर ली। मंगलवार को पीएम रिपोर्ट में 'हैंगिंग' की पुष्टि होने पर हत्या की आशंकाओं पर विराम लग गया।

एसओ अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि बोरियां इसलिए बांधी गईं, ताकि शव पानी पर न आए। मामला आत्महत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने का है। पुलिस ने तीनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया है।

निगोहां पुलिस अब 24 घंटे बांक नाले पर मुश्तैद रहेगी

अमृत विचार, निगोहां : गौतमखेड़ा बांक नाले पर पिछले तीन माह में बढ़ती आपराधिक वारदातों पर अब अंकुश लगने की उम्मीद है। इसी नाले में तीन शव मिलने और दिनदहाड़े हॉकर से लूट की घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस पिकेट बनाए जाने की मांग की थी। इसके बाद तत्काल प्रभाव से ड्यूटी सारणी में नया पिकेट प्वाइंट सृजित कर दिया गया है। अब यहां निगोहां पुलिस 24 घंटे मुस्तैद रहेगी। सूनसान इलाका और वन विभाग के जंगल होने के कारण यहां अपराधियों का दबदबा बढ़ता जा रहा था। थाना प्रभारी निगोहां अनुज तिवारी ने बताया कि पिकेट प्वाइंट के पास जंगल होने के चलते सोलर लाइट और टीन शेड लगवाने की तैयारी भी चल रही है। ज्ञात हो कि मदाखेड़ा से सिसेंडी मार्ग पर गौतमखेड़ा गांव के निकट पड़ने वाले बांक नाले में पिछले तीन महीनों से हत्या कर शव फेंकने और लूट की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। रात में पुलिस की आवाजाही न होने से यह इलाका अपराधियों का सेफ जोन बन गया था।

बुरा हाल बदहाली और सुरक्षा की कमी से लोग नाराज

ओमेक्स रेजीडेंसी–1 में अव्यवस्थाओं से निवासी परेशान

संवाददाता, अर्जुनगंज लखनऊ

अमृत विचार : ओमेक्स रेजीडेंसी-1, अर्जुनगंज लखनऊ के करीब 4,000 निवासी बीते आठ वर्षों से सोसाइटी में अव्यवस्थाओं, आर्थिक अनियमितताओं और सुरक्षा संबंधी खतरे जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। वर्ष 2015 में 972 फ्लैटों वाले इस परिसर में रहने वाले लोगों का आरोप है कि सोसाइटी प्रबंधन की अनदेखी के कारण निवासियों की दैनिक जिंदगी प्रभावित हो रही है।

यहां बी 401 के निवासी हरपाल सिंह ने बताया कि रख-रखाव की उपेक्षा के कारण लिफ्टें लंबे समय से खराब हैं, विद्युत उपकरण जर्जर अवस्था में हैं और सामान्य मरम्मत कार्य भी समय पर नहीं किए जाते। सुरक्षा व्यवस्था भी कमजोर बताई गई है, जिससे आने-जाने वालों की जांच में लापरवाही के चलते निवासियों ने कई बार खुद को असुरक्षित महसूस किया है।

डी-1106 की निवासी अखिला सिंह ने बताया कि कालोनी में कई जगह प्लास्टर टूट कर गिर रहा है, कई जगह सीलन की समस्या बनी हुई है। परिसर में चल रही इन समस्याओं की शिकायतें अधिकारियों तक बार-बार पहुंचाई जाती रही हैं। कालोनीवासियों ने अव्यवस्थाओं को दूर करने, मरम्मत कराने की मांग सम्बन्धित अधिकारियों से की है।

उखड़ा प्लास्टर बयां कर रहा बिल्डिंग की दुर्दशा की तस्वीर।

बेकाबू कार में फंसे तीन लोग, 50 मीटर तक घिसटे

संवाददाता, मोहनलालगंज

अमृत विचार : मोहनलालगंज के बैरिसालपुर गांव के पास सोमवार देर रात बेकाबू कार ने दंपति और उनके बेटे को टक्कर मार दी। तीनों कार में फंसकर करीब 50 मीटर तक घिसटते चले गए। इसके बाद कार बिजली के खंभे से टकराई, तो तीनों दूर जा गिरे। घायल परिजनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार चालक को पकड़ा और उसे इलाज के लिए सीएचसी भेजा। कार को कब्जे में ले लिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक शराब के नशे में था। पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर शाम तक किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है।

बैरिसालपुर निवासी शाहिद ने बताया कि सोमवार को वह अपनी पत्नी रोशन जहां और 8 वर्षीय बेटे के साथ लूलू मॉल घूमकर रात 11 बजे निगोहां लौट आए थे। बस से उतरने के बाद तीनों पैदल घर जा रहे थे। घर के पास पहुंचते ही निगोहां–बैरिसालपुर मार्ग पर तेज रफ्तार और बेकाबू कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रोशन जहां और बेटा कार के अगले हिस्से में फंस गए और लगभग 50 मीटर तक घिसटते रहे। कार सड़क किनारे बिजली के पोल से टकराई, जिससे पोल तीन टुकड़ों में टूट गया और तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल

बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि-त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का नि:शुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

बीसवीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े-बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गईं। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन-रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

सुविधा

इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर-दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे- छोटे चीरे वाली (मिनिमली-इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई-क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रैक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस-पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत-नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव-गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य

बरेली समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।

रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्‌देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएसी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।

अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर-दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-2)

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,587.01	25,884.80
गिरावट	313.70	74.70
प्रतिशत में	0.37	0.42

सोना 1,27,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,59,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 26 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

राष्ट्रीय

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

नया भारत आतंकवाद के सामने झुकता नहीं

कुरुक्षेत्र, एजेंसी

- नौवें सिख गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह दिखाया है कि भारत शांति का इच्छुक है, लेकिन वह अपनी सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करता और न ही आतंकवाद के आगे झुकता है। नौवें सिख गुरु के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर यहां एक विशेष कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सिख गुरु ने सिखाया है कि व्यक्ति न किसी को डराए और न ही खुद भय में जीए। अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज के आरोहण के बाद यहां पहुंचे मोदी ने गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आज धरोहर का एक अद्भुत संगम हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुबह वह रामायण की नगरी अयोध्या में थे और अब वह गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हैं।

मोदी ने कहा कि नौ नवंबर 2019 को जब राम मंदिर पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आया, तो वह करतारपुर गलियारे के उद्घाटन के लिए पंजाब के डेरा बाबा नानक गए थे। उन्होंने कहा कि मैं प्रार्थना कर रहा था कि राम मंदिर बनने का रास्ता साफ हो और सभी राम भक्तों की इच्छाएं पूरी हों। उन्होंने कहा कि और उस दिन हमारी प्रार्थनाएं कबूल हुईं, क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में फैसला आया।

उन्होंने कहा कि आज उन्हें फिर से सिख संगत से आशीर्वाद लेने का मौका मिला। मोदी ने कहा कि गुरु साहिब का जीवन सरबत दा भला (सभी के कल्याण) का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने सिखाया था कि जो नर दुःख में दुःख नहीं माने, सो ही पूर्ण ज्ञानी, जिसका अर्थ है कि जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी अटल रहता है, वही वास्तव में ज्ञानी होता है। मोदी ने जोर देते हुए कहा कि इसी प्रेरणा के साथ हमें हर चुनौती को पार कर देश को आगे ले जाना है और इसे एक विकसित राष्ट्र बनाना है। मोदी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने यह भी सिखाया कि भय काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन।

हम शांति चाहते हैं लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं

मोदी ने कहा कि हम शांति चाहते हैं, लेकिन अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पूरी दुनिया ने देखा कि नया भारत न डरता है, न रुकता है और न ही आतंकवाद के सामने झुकता है। उन्होंने कहा कि आज का भारत साहस और स्पष्टता के साथ पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने नशे की समस्या का भी जिक्र किया और लोगों से इस अभिशाप को समाप्त करने के लिए गुरु तेग बहादुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत ने अनेक युवाओं के सपनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, क्योंकि यह लड़ाई समाज और परिवार, दोनों की है।

मुंबई हवाई अड्डे से 32 करोड़ का गांजा पकड़ा

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गत चार दिनों में कुल 32 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 32 किग्रा उच्च गुणवत्ता वाला गांजा जब्त किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि तस्करी कर लाए जा रहे 73 लाख रुपये मूल्य का सोना भी जब्त किया गया है। इन मामलों में आठ यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। खुफिया सूचना के आधार पर, मुंबई सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने बैंकॉक से आने वाले कई संदिग्ध यात्रियों को रोका। तीन मामलों में चार यात्रियों से 10.899 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 10.899 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा चार अन्य यात्रियों से 21.799 करोड़ का 21.799 किग्रा मादक पदार्थ जब्त किया गया।

शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को मिली नोटिस

सूरजपुर, एजेंसी

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मज़बूत हो रही है।

ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

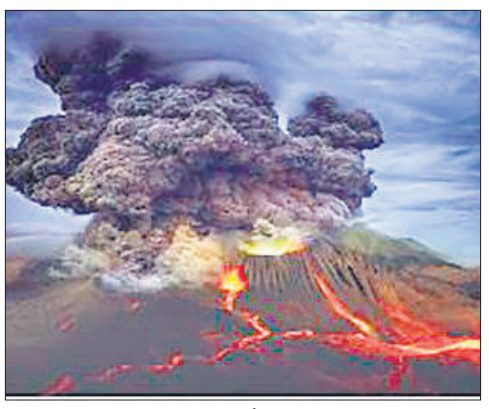

ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

वर्ल्ड ब्रीफ

कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

बेरूत। लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को पारंपरिक रूप से दफनाया जाता है।

काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

अदन। बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क पर नबील शमसान को निशाना बनाकर हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

अपमानजनक पोस्ट करने का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 6 की मौत

कीव, एजेंसी

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले दिनप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली कित्श्को ने बताया कि दिनप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

कराची। बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

काबुल, एजेंसी

- पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

लंदन। बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

कच्छ, एजेंसी

- सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी।

वैश्विक परिवर्तन का इब्सा उत्प्रेरक

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) गठबंधन वैश्विक परिवर्तन का उत्प्रेरक है और ग्लोबल साउथ की उम्मीदों का प्रतीक है। दक्षिण अफ्रीका ने इब्सा की अध्यक्षता संभाली है। रामफोसा ने कहा कि हम मिलकर न केवल अपने नागरिकों की, बल्कि उस ग्लोबल साउथ की उम्मीदों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भविष्य को आकार देने में गरिमा, सम्मान और साझेदारी चाहता है।

वह समाप्त हुए जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से इतर इब्सा नेताओं के संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अरुणाचल हमेशा भारत का ही रहेगा : खांडू

ईटानगर, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। इसके अलावा कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है। खांडू ने इस घटना को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन और भारतीय नागरिकों की गरिमा का अपमान बताया।

चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ, जैसा कि उसने आरोप लगाया है। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम, खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

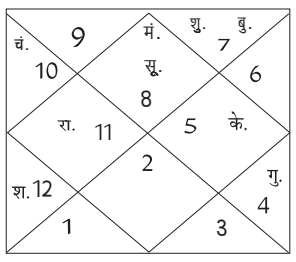

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 27 नवंबर 01 .32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज संपत्ति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

मिथुन — आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

कर्क — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

सिंह — आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कन्या — आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

तुला — आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक — आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

धनु — आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

मकर — आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

मीन — आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रूख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

सुडोकू-172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
						6		
			7					
	6							
								3
				3				
		9						5
					4			
								1

सुडोकू - 171 का हल

5	8	4	9	1	2	7	6	3
3	7	1	6	8	4	9	2	5
2	9	6	3	5	7	1	4	8
1	2	3	8	9	6	5	7	4
6	4	8	7	2	5	3	9	1
7	5	9	4	3	1	2	8	6
9	3	7	1	6	8	4	5	2
8	1	5	2	4	9	6	3	7
4	6	2	5	7	3	8	1	9

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 26 नवंबर 2025

धर्म ध्वजारोहण के साक्षी बने 161 वनवासी संत

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए विभिन्न प्रांतों से 161 वनवासी संतों को आमंत्रित किया गया। अयोध्या प्रांत व अयोध्या धाम के धर्माचार्य च विशिष्ट धर्माचार्यों को जोड़ लिया जाए तो इनकी संख्या 500 के ऊपर ही रही। विभिन्न प्रांतों से आमंत्रित वनवासी संतों में चित्तुर, दक्षिण बंग, बंसवरा परियोजना, छत्तीसगढ़, दक्षिण कर्नाटक, देवगिरी, उत्तर कर्नाटक, विदर्भ, महाकौशल, मालवा, मेरठ, पश्चिम महाराष्ट्र, त्रिपुरा, गुजरात दक्षिण, गुर्जर परियोजना व हरियाणा के हैं। इनमें 14 मालवा, 12 गुजरात दक्षिण एवं 11 दक्षिण कर्नाटक के भी समारोह में मौजूद रहे। अयोध्या के धर्माचार्यों में महापौर गिरीशपति त्रिपाठी के अलावा अन्य विशिष्ट धर्माचार्यों में डॉ. भरतदास महराज, महंत जगन्नाथदास महराज, बलरामदास महराज, मुरलीदास महराज, प्रेममूर्ति कृष्णकांतदास महराज, आशीषदास वेदांती, विश्वेश प्रपन्नाचार्य महराज , वैदहीवल्लभशरण महाराज, प्रियाप्रीतम शरण महराज, वैदेही शरण महराज, महंत पवन कुमार दास, सियाकिशोरी शरण, मिथिलानंदिनी शरण, रामानुज शरण महाराज, महंत धर्मदास महाराज, शशिकांतदास महाराज, जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य व जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य रहे।

ध्वजारोहण के लिए सजाया गया राम मंदिर और परिसर में मौजूद श्रद्धालु। अमृत विचार

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

विशाल तिवारी, अयोध्या

अमृत विचार : रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

राम बारात में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

गाजे-बाजे व हाथी-घोड़ा के साथ धूमधाम से निकली श्रीराम बरात

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की नगरी में मंगलवार को एक अलग उल्लास और उत्साह रहा जहां एक तरफ राम मंदिर के शिखर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। वहीं दूसरी ओर विवाह पंचमी के मौके पर भगवान श्री राम और माता सीता का विवाह उत्सव की धूम दिखाई दी। शाम ढलते अलग-अलग मंदिरों से भगवान राम की बारात मुख्य सड़क मार्ग पर रवाना हो गई। अपने आराध्य के विवाह उत्सव में झूमते नाचते गाते भगवान राम के पावन पुनीत विवाह उत्सव में शामिल है।

अयोध्या के प्रसिद्ध रंग महल, दशरथ महल, राम वल्लभा कुंज, जानकी महल, विहूति भवन सहित अन्य मंदिरों से राम बारात निकाली गई। आकर्षण दशरथ महल में दिखाई दिया। पांच अलग-अलग राज्यों के बैंड बाजों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से जब भगवान राम की बारात निकाली गई तो अपने आराध्य के विवाह की उत्सव की खुशी में श्रद्धालु जमकर नाचते हुए नजर आए।विवाह पंचमी तिथि पर आज पूरी रात मंदिरों में भगवान राम और सीता का विवाह आयोजन होगा। रंग महल मंदिर के महंत रामशरण दास ने बताया कि जिस समय भगवान राम ने धनुष तोड़ा था विवाह तो उसी समय हो गया था, लेकिन समाज में प्रेम और सनातन धर्म की प्रगति के लिए भगवान राम ने विवाह की उन सारी परंपराओं को निभाया। जिसे आज हम अनुसरण कर रहे हैं। भगवान राम सीता का विवाह सनातन धर्म की परंपरा का प्रमाण है। दशरथ भवन मंदिर के उत्तराधिकारी महंत रामभूषण दास कृपालु ने बताया कि आज बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। अयोध्या नरेश महाराजा दशरथ के पुत्रों का विवाह संपन्न हुआ था।

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत। अमृत विचार

- सभी फोटो शुभांकर चक्रवर्ती और प्रशांत शेखर

पीएम के रोड शो ने एक किमी. की दूरी सात मिनट में की तय

अयोध्या, अमृत विचार : तीन चॉपर के पीएम का हवाई बेड़ा मंगलवार सुबह 10:02 बजे साकेत महाविद्यालय पर बने हैलीपैड पर उतरा। यहां उनका स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके बाद उनका रोड शो करीब 10:12 बजे साकेत महाविद्यालय से बाहर निकला व निषादराज चौराहा होता हुआ क्रॉसिंग नंबर-11 जगदगुरु आद्य शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर में प्रवेश किया। करीब एक किमी. की दूरी तय करने में उन्हें सात मिनट लगे। इस दौरान राज्यपाल व मुख्यमंत्री भी उनके साथ रहे। प्रधानमंत्री काले रंग की एसयूवी में सवार थे, जिसे उनके सुरक्षाकर्मी दिल्ली से लेकर आए थे। रास्ते में 12 स्थान पर लगे सांस्कृतिक मंचों पर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

छावनी में बदली रामनगरी

अयोध्या, अमृत विचार : पूरी अयोध्या सुरक्षा के कड़े घेरे में रही। रामपथ, धर्मपथ समेत गलियों में भी वाहनों के चलने पर रोक थी। शहर की गलियों से रामपथ पर निकलने वाले सभी मार्ग को पूरी तरह से बंद रखा गया था। किसी को रामपथ पर आने की अनुमति नहीं थी। शहर में 10 हजार सुरक्षा कर्मियों का घेरा रहा, एसपीजी, एटीएस, एनएसजी से लेकर कई सुरक्षा इकाईयां मुस्तैद रहीं।

दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने जाना संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम का हाल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रारंभिक दौर के साक्षी, विहिप की प्रबंध समिति के सदस्य व संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नारायण सिंह की तबीयत की जानकारी लेने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। दोनों के मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही हड़कंप मच गया। वे सीधे लिफ्ट से मेडिकल वार्ड चले गए। उनके साथ विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा भी मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा से पुरुषोत्तम नारायण का हाल जाना। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा पुरुषोत्तम जैसे संत-समर्पित कार्यकर्ता राम मंदिर आंदोलन की रीढ़ रहे हैं। ब्रजेश पाठक ने भी उनके प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि ऐसे वरिष्ठ प्रचारकों का सम्मान और सेवा करना सरकार का दायित्व है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को अपना हाल बताते पुरुषोत्तम नारायण सिंह, साथ में डिप्टी सीएम केशव मौर्य व विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा। अमृत विचार

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं : मोदी

भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा राम मंदिर का दिव्य प्रांगण

- अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। जबसे प्राण-प्रतिष्ठा हुई है, तबसे आज तक करीब 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों की आय में वृद्धि हुई है। विकास के पैमाने में अयोध्या कभी बहुत पीछे थी, लेकिन आज यूपी के अग्रणी शहरों में एक है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

श्रीराम के व्यवहार को करना होगा आत्मसात

पीएम ने कहा हमें राम व उनके व्यक्तित्व को सीखना होगा। उनके व्यवहार को आत्मसात करना होगा। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी सत्य-पराक्रम का संगम। राम यानी धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, राम यानी धर्म और क्षमा का दरिया, राम यानी ज्ञान व विवेक की पराकाष्ठा, राम यानी कोमलता में दृढ़ता, राम यानी कृतज्ञता का उदाहरण, राम यानी श्रेष्ठ संगति का चयन, राम यानी विनम्रता में महाबल, राम यानी सत्य का अडिग संकल्प, राम यानी जागरूक, अनुशासित व निष्कपट मन। राम सिर्फ व्यक्ति नहीं, राम मूल्य हैं, मर्यादा हैं।

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। कृतार्थता का दिवस है। आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी।

उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका: आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है। यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं। कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

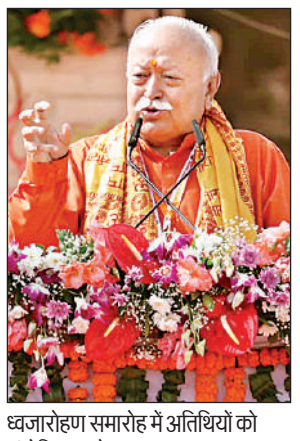

ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

प्रतीक चिह्नों से सीखें सत्पुरुष का कर्तव्य

डॉ. भागवत ने कहा कि इस धर्म ध्वज पर कोविदार का प्रतीक रघुकुल की परंपरा से जुड़ा है। यह कचनार जैसा लगता है। यह मंदार व पारिजात दोनों वृक्षों के गुणों का संयुक्त रूप है। वृक्ष स्वयं धूप में खड़े रहकर सबको छाया देते हैं, फल देते हैं। "वृक्षा : सत्पुरुषा : इव" अर्थात वृक्ष सत्पुरुषों के समान हैं। यदि ऐसा जीवन जीना है तो चाहे कितनी प्रतिकूलता हो, साधनहीनता हो, दुनिया स्वार्थ में बहती हो फिर भी हमारा संकल्प है कि हमें धर्म के पथ पर चलना है। भागवत बोले, कचनार के औषधीय गुण हैं, खाद्य उपयोग में भी आता है। सब प्रकार से उपयोगी यह प्रतीक धर्म जीवन का पर्याय है। सूर्य भगवान धर्म के तेज और संकल्प के प्रतीक हैं। उनके रथ का चक्र एक है, रास्ता नहीं है, सात घोड़े हैं, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए सर्प की लगाम है, सारथी के पैर नहीं हैं। क्या ऐसी गाड़ी चल सकती है? फिर भी वे बिना थके प्रतिदिन पूरब से पश्चिम जाते आते हैं। कार्य की सिद्धि स्वयं के भरोसे होती है।

राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा लहराते ही छलके आंसू

राम दरबार की आरती उतारते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

कमर अब्बास, अयोध्या

अमृत विचार: एक ऐतिहासिक क्षण को देखने की आतुरता आमजनमानस के दिलों में हिलोर मारती महसूस हुई। मौका विवाह पंचमी का रहा जब अयोध्या के भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज लहराया। यह त्रेता युग में भगवान राम और माता सीता के विवाह की स्मृति को समर्पित रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने अभिजीत मुहूर्त में धर्म ध्वजारोहण किया तो आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालुओं की आंखों से आंसू छलक पड़े। भावुक श्रद्धालु बरबस बोले पड़े- मानो राम राज्य आज आंखों के सामने जीवंत हो गया। कहा, अब काशी और मथुरा में भी धर्म ध्वजारोहण का आरोहण होना चाहिए। रामपथ पर ध्वजारोहण की प्रतीक्षा में उमड़े श्रद्धालुओं ने कहा यह ध्वजारोहण न केवल धार्मिक महत्व रखता है बल्कि यह हिंदू संस्कृति की विजय और एकता का संदेश भी देता है। दिल्ली से अयोध्या पहुंचे वृद्ध राम भक्त रामदास ने कहा राम मंदिर का यह ध्वज न केवल कपड़े का टुकड़ा है, बल्कि सदियों की प्रतीक्षा का फल है। बोले, आज सब कुछ साकार हो रहा है। राम-राज्य आज जीवंत हो रहा है। मणि माता मंदिर की पुजारी जगन्नाथदास ने कहा विवाह पंचमी पर यह ध्वजारोहण हमें याद दिलाता है कि राम-सीता का प्रेम अमर है। हर घर में राम राज्य होना चाहिए। मुंबई से अयोध्या ध्वजारोहण समारोह के लिए आयीं अंजलि ने कहा मन अयोध्या में है और यह ध्वज मेरी आस्था का नया अध्याय है। कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सनातन समाज के लिए बहुत कुछ कर दिया। पूर्व सैनिक अशोक कुमार ने कहा जैसे लक्ष्मण ने राम की रक्षा की, वैसे ही यह मंदिर हमारी संस्कृति की ढाल है। ध्वज लहराया, गर्व हुआ। भोपाल की गृहिणी शंकुतला ने बताया कि वह रोज रामचरितमानस पाठ करतीं हैं। धर्म ध्वजारोहण के बाद भी राम नाम जपते रहो, सब सिद्ध होगा।

रामपथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में अभिवादन प्रस्तुत करतीं कलाकार। अमृत विचार

पीएम ने संबोधन में कहे रामचरितमानस के 26 श्लोक

अयोध्या, अमृत विचार: राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करने के बाद पीएम ने अपने संबोधन में रामचरितमानस की 26 श्लोक का जिक्र किया। काशी के मुख्य आचार्य गणेश्वर शास्त्री गजानन ज्योतकर सतीश ने बताया कि पीएम ने देश को संदेश देने का काम किया है। इन श्लोक के मंत्रों से एक समुचित समाज को जोड़ने का प्रयास है। आचार्य संदीप शर्मा ने बताया रामचरितमानस में भी लिखा है कि मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वज के दर्शन मात्र से भगवान के दर्शन करने जितना पुण्य प्राप्त होता है। जिसके बारे में भी प्रधान मंत्री जी ने अपने भाषण में किया है।

लोक कलाकारों ने दिया विविधता में एकता का संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में विवाह पंचमी के अवसर पर अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आयोजित ध्वजारोहण समारोह अद्भुत आस्था और सांस्कृतिक भव्यता का प्रतीक बना। संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 500 से अधिक कलाकारों ने संगीत, नृत्य और पारंपरिक लोक कलाओं की अविरल धारा प्रस्तुत की।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार का दी, उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण समारोह और सांस्कृतिक संध्या के दौरान 24 और 25 नवंबर को अयोध्या के विभिन्न स्थलों पर स्थानीय कलाकारों ने लोककलाओं का प्रदर्शन कर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार किया। ध्वजारोहण अवसर पर ब्रज, अवध, बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई क्षेत्रों की लोक परंपराओं की झलक देखने को मिली। प्रत्येक नृत्य शैली में 15–15 कलाकार शामिल रहे।

प्रसाद में दिया देशी घी का लड्डू, इलाइची दाना और अंगवस्त्र

अयोध्या, अमृत विचार: राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने आए लगभग 7500 अतिथियों के साथ 2500 से अधिक कार्यकर्ताओं व अधिकारियों को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा विशेष प्रसाद दिया गया। हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास ने बताया कि रामलला के प्रसाद में जूट के थैले में विशेष लड्डू, इलाइची दाना, रामनामी वस्त्र के साथ एक ध्वज का चिन्ह प्राप्त हुआ है। डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि सुबह से लोग इस कार्यक्रम शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इसलिए प्रसाद के रूप में लंच पैकेट और पानी की बोतल भी प्राप्त हुई है।

ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित अतिथियों के मंदिर परिसर से बाहर निकलने पर बब्लू खान ने सबको लगे लगाकर बधाई दी। अमृत विचार

एक हाथ में त्रिशूल व दूसरे में डमरू लिए यह साधु आकर्षण का केंद्र बना रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रामपथ पर निकल रहे काफिले को देखकर लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। अमृत विचार

साकेत महाविद्यालय के निकट मंच पर बुंदेलखंड का राई नृत्य पेश करतीं कलाकार।

मंदिर परिसर में विराजमान अतिथिगण। अमृत विचार

आस्था व अर्थव्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुकी है रामनगरी : योगी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा रामलला की नगरी आस्था व आधुनिकता के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। वह मंगलवार को श्रीरामजन्मभूमि परिसर में धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कहा यहां बेहतर कनेक्टिविटी है। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, पंचकोसी और 14 कोसी के साथ 84 कोसी की परिक्रमा श्रद्धालुओं व भक्तों को नया मार्ग व आस्था को नया सम्मान प्रदान कर रही है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रही है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम में आस्था, आधुनिकता, आस्था और अर्थव्यवस्था का नया केंद्र दिख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ध्वजारोहण उस सत्य का उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है। रामराज्य के मूल्य कालजयी हैं। पीएम मोदी ने 2014 में जब नेतृत्व संभाला था, उसी दिन कोटि-कोटि भारतवासियों के मन और हृदय में जिस संभावना, संकल्प व विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या, अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा आपके कर कमलों के माध्यम से साकार होकर भव्य राम मंदिर के रूप में भारतवासियों व सनातन धर्मावलंबियों के समक्ष है। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय व राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। इस अवसर पर पीएम मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज आदि मौजूद रहे। संचालन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने किया।

इतिहास में दर्ज हुआ 25 नवंबर | धर्मध्वज ने बदल दी राममंदिर की तस्वीर, बदल गई चेहरों की रंगत, तीन मिनट में इतिहास बढ़ गया अतीत से भविष्य की ओर

मोदी जोड़े रहे हाथ, योगी के हाथ से निकलती रही करतल ध्वनि

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: तीन मिनट में पूरी तस्वीर बदल गई। ध्वजविहीन श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज प्रत्यक्ष हुआ, लहराने लगा। नेताओं के साथ मौजूद जनसमूह के चेहरों के भाव भी बदल गए। पीएम मोदी हाथ जोड़े रहे। सीएम योगी के हाथ से करतल ध्वनि निकलती रही। इन्हीं तीन मिनटों में इतिहास की सुई अतीत से भविष्य की ओर बढ़ गई।

समय सबसे बड़ा है। दूसरों को अतीत, वर्तमान और भविष्य का अहसास करा देता है। ध्वजारोहण में मंगलवार को इसे करीब से महसूस किया गया, 11 बजकर 55 मिनट पर घोषणा होती है। पीएम मोदी ध्वज का आरोहण करने पहुंच रहे हैं। पहुंचते हैं, गांभीर्य के साथ चेहरे का भाव बदलता है। 11:56 बजे संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के साथ बिंबों से युक्त केसरिया ध्वज का आरोहण शुरू करते हैं। उनके हाथ स्वतः प्रणाम की मुद्रा में जुड़ जाते हैं। प्रसन्नता के भाव से युक्त बगल खड़े सीएम योगी के हाथ स्वयं जुड़ने और खुलने लगते है, करतल ध्वनि होने लगती है। सभी शनैः-शनैः ध्वज को चढ़ते हुए देखते हैं। जैसे-जैसे ध्वज शिखर की ओर बढ़ता है। चेहरों पर खुशी के भाव छलकने लगते हैं। ऊपर चढ़ने के साथ ध्वज फहरता है। लहराते ध्वज पर बने प्रतीक सूर्य, ऊं के साथ कोविदार प्रत्यक्ष होने लगते हैं। 191 फिट ऊपर पहुंचते देखने के लिए सभी को सिर उठाना पड़ता है। धर्म ध्वज को शिखर पर पहुंचने में लगभग तीन मिनट लगे। मोदी ने ताली बजाई। उधर सुई ने 11:58 बजाए, इधर जय श्रीराम के जय घोष से श्री राम मंदिर के साथ अयोध्या गूंजने लगी। चेहरों पर स्थिरता और उल्लास के भाव सृजित हो गए। पीएम मोदी और सीएम योगी के चेहरों पर संकल्प से सिद्धि के भाव तैरने लगे। केवल तीन मिनट वर्तमान रहा। इसके पहले श्री राम मंदिर निर्माण के संकल्प का अतीत था। अब भविष्य की शुरूआत हो गई थी। इस तीन मिनट के वर्तमान पर पीएम मोदी ने अपने भाषण में भविष्य की बुनियाद रख दी। उन्होंने श्री राम मंदिर के ध्वज के रंग, सूर्यवंश की ख्याति और कोविदार वृक्ष से रामराज्य की कृति के प्रतिरूपित किए जाने के हवाले से संकेतों में बहुत कुछ कह दिया।

शिखर पर जा रहे ध्वज को देखते समय भावुक हो गए पीएम मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व सीएम योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

प्रधानमंत्री ने ग्रहण किया प्रसाद

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खान-पान के लिए अयोध्या में तमाम व्यवस्थाएं की गई थीं, 50 से भी अधिक तरह के खाद्य पदार्थों का इंतजाम था। इसमें 33 तरह की वेलकम ड्रिंक्स थी, लेकिन अपनी सादगी के लिए पहचाने जाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ भी नहीं खाया। सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी जब आरजेबी पहुंचे तो उन्होंने सिर्फ चाय के साथ बिस्किट लिया था। इसके बाद रामलला और राम दरबार का दर्शन पूजन किया। प्रसाद के तौर पर इलायची दाना इत्यादि ग्रहण कर पानी पीया।

ध्वजारोहण को कैमरे में कैद करते लोग। अमृत विचार

ध्वजारोहण के बाद राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

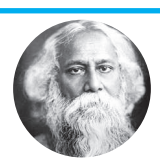

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

आमने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।
–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

सामने

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।
–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलनः जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आईरे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

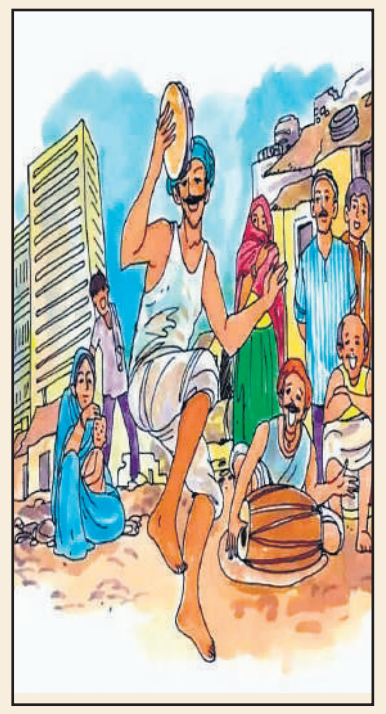

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

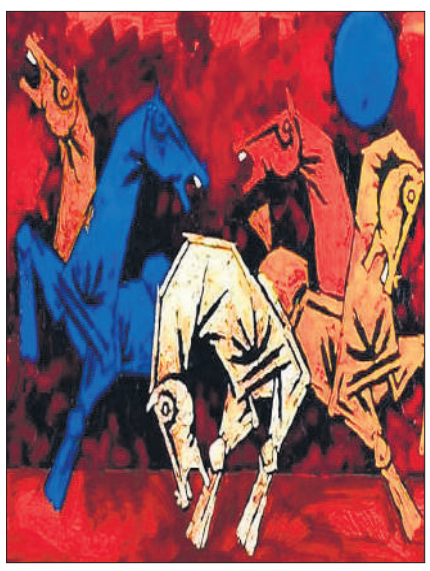

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।
कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।
सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई।

स्पेन, जापान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था।

जूनियर हॉकी विश्व कप

शादी से पहले के पोस्ट मंधाना के अकाउंट से हटे

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा।

मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोतोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

भारत को बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक

तोक्यो : भारत ने बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक जीते जबकि चेतन हनमंत सपकाल मंगलवार को पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में छठे स्थान पर रहे। क्वालीफाइंग दौर में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे सपकाल आठ स्कोर करके छह पुरुषों के फाइनल में बाहर होने वाले पहले खिलाड़ी रहे। द. कोरिया के सियुंग वा ली ने स्वर्ण, ताए यंग किम ने कांस्य और यूक्रेन के सेरही ओहोरोदनिक ने रजत जीता। भारतीयों ने निशानेबाजी रेंज पर 16 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य हैं।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, दूसरी पारी में 27 रनों पर लौटे दोनों ओपनर

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की शृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद शृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

बारसापारा स्टेडियम में यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह शृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली शृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट शृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली शृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी शृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम शृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28.3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0, रेड्डी 4-0-24-0

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3.5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

यशस्वी को कट शॉट से करना पड़ेगा परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा शृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस शृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

हैदराबाद, एजेंसी

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 शृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह व रीवा को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम | 15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना-सामना

भारत और पाकिस्तान टी-20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

रोहित बने टूर्नामेंट दूत

दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने गत वर्ष अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी-20 से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

सूर्यकुमार को अब भी खटकती है 2023 की हार

मुंबई। कप्तान सूर्यकुमार यादव रोहित शर्मा की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त से पहले 2023 वनडे विश्व कप में लगातार 10 मैच जीते थे और अब अगले साल उसी जगह पर टी-20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में उनके साथ खेलना चाहते हैं। मंगलवार को गत चैंपियन भारत को 2026 टी-20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने 2023 में 19 नवंबर को हुए उस फाइनल के बाद से ऑस्ट्रेलिया को दो मैचों में हराया है लेकिन उन्हें फाइनल मुकाबले में हराने की इच्छा उन खिलाड़ियों के मन में बनी हुई है जिन्होंने तब से दो आईसीसी टूर्नामेंट जीते हैं। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था।